राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण सोमवार,15 मई 2023 वर्ष–6,अंक–110 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

राज्य में खुलेंगे सरकारी नशा मुक्ति केंद्र : मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर

सीएम ने जनसंवाद कार्यक्रम के दूसरे दिन गांव चोरमार खेड़ा में जनसंवाद कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान गांव के एक युवा ने सीएम मनोहर लाल से कहा कि इलाके में नशा सबसे बड़ी समस्या है। खासकर मेडिकल और चिट्टे के नशे से यहां के युवा बर्बाद हो रहे हैं।

नई दिल्ली। हरियाणा के सीएम मनोहर लाल का सिरसा में जनसंवाद कार्यक्रम रविवार को दूसरे दिन ऐतिहासिक गुरुद्वारा चोरमार साहिब पहुंचकर मत्था टेककर अपने कार्यक्रम की शुरुआत की, उनके साथ सांसद सनीता दुग्गल भी मौजूद रहीं।

सीएम ने जनसंवाद कार्यक्रम के दूसरे दिन गांव चोरमार खेड़ा में जनसंवाद कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान गांव के एक युवा ने सीएम मनोहर लाल से कहा कि इलाके में नशा सबसे बड़ी समस्या है। खासकर मेडिकल और चिट्टे के नशे से यहां के युवा बर्बाद हो रहे हैं। इस पर सीएम मनोहर लाल ने कहा कि पिछले दिनों जब ओढ़ा गांव में रैली हुई थी, तब नशे का मुद्दा उठा था, जिसके बाद से सरकार कार्रवाई कर रही है। यहां पर 10 से ज्यादा प्राइवेट नशामुक्ति केंद्र हैं और 2 सरकारी नशामुक्ति केंद्र, लेकिन प्राइवेट नशा केंद्रों से कोई लाभ नहीं हो रहा। इसलिए हमने कल निर्णय लिया है अब जितने भी नशा मुक्ति केंद्र खोले जाएंगे वह सरकारी होंगे। इसके अलावा धार्मिक संस्थाएं, सामाजिक संस्थाएं और समाज सेवा करने वाले लोगों के साथ मिलकर नशा मुक्ति केंद्र खोले जाएंगे। इसके बाद नशे पर अंकुश लगाया जा सकेगा और जो युवा नशे की तरफ जा रहे हैं उन पर रोक लगेगी।आपको बता दें कि सीएम मनोहरलाल के जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान कल भी कालावाली विधानसभा क्षेत्र में बढ़ते नशे की समस्या का मुद्दा उठा था।

160 करोड़ से ज्यादा की परियोजनाओं का शिलान्यास एवं उद्घाटन

सिरसा दौरे के दूसरे दिन सीएम मनोहर लाल ने जनसुनवाई के साथ ही चोरमार में 160 करोड़ की 11 परियोजनाओं का शिलान्यास एवं उद्घाटन किया। इस दौरान मंडी डबवाली के राजकीय मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल के भवन, डबवाली ब्लॉक के वाटर वर्कस के रिमॉडलिंग की आधारशिला भी रखी गई।

रिश्वत मांगने पर पटवारी सस्पेंड

सीएम मनोहर लाल ने कल जनसुनवाई के दौरान रिश्वत मांगने की शिकायत पर नहरी पटवारी नरेश को सस्पेंड कर दिया। वहीं आयुष्मान भारत योजना के तहत लाभार्थी से इलाज के पैसे लेने के मामले में सीएम ने 7 दिन के अंदर रिपोर्ट मांगी है।

वॉरशिप मोरमुगाओ से ब्रह्मोस मिसाइल का सफल परीक्षण

मुंबई। मोरमुगाओ एक स्टील्थ गाइडेड मिसाइल डिस्ट्रॉयर है। इसे P-15B प्रोजेक्ट के तहत बनाया गया है जिसमें चार जहाज शामिल हैं। इंडियन नेवी में शामिल नए वॉरशिप आईएनएस मोरमुगाओ से ब्रह्मोस मिसाइल का सफल परीक्षण कर लिया गया है। मिसाइल ने सीधा टारगेट को हिट किया। INS मोरमुगाओ को इंडियन नेवी के वॉरशिप डिजाइन ब्यूरो ने डिजाइन किया है। यह हथियारों से लैस दुनिया का सबसे आधुनिक मिसाइल करियर है। मोरमुगाओ एक स्टील्थ गाइडेड मिसाइल डिस्ट्रॉयर है, जिसका 75 प्रतिशत हिस्सा देश में ही बनाया गया है। भारतीय नौसेना के अनुसार यह पी-15 ब्रावो प्रोजेक्ट का दूसरा जहाज है। P-15B प्रोजेक्ट के तहत चार वॉरशिप बनाए जा रहे हैं। जिसमें से विशाखापत्तनम और मोरमुगाओ इंडियन नेवी को सौंप दिया गया है। बाकी दो सूरत और इंफाल हैं जिन्हें जल्द ही नौसेना में शामिल कर लिया जाएगा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पिछले साल दिसंबर में आईएनएस के निशान समारोह के दौरान मोरमुगाओ वॉरशिप को इंडियन नेवी को सौंपा था।

गोवा के नाम पर रखा गया मोरमुगाओ शिप का नाम

मोरमुगाओ वॉरशिप का नाम पोर्ट सिटी गोवा पर रखा गया है। मोरमुगाओ ने पिछले साल 19 दिसंबर को पहली समुद्री यात्रा की थी, जब गोवा ने पुर्तगाली शासन से 60 साल की मुक्ति का जश्न मनाया था। इसकी कमीशनिंग भी 18 दिसंबर को गोवा मुक्ति दिवस की पूर्व संध्या पर हुई थी। जहाज की लंबाई 163 मीटर और चौड़ाई 17 मीटर है और इसमें 7,400 टन का डिस्प्लेसमेंट है। INS मोरमुगाओ भारत में बना अब तक का सबसे शक्तिशाली वॉरशिप है। हालांकि इसके रडार क्रॉस सेक्शन को बेहतर स्टील्थ फीचर्स के कारण कम किया गया है।

मुझे देशभक्ति की सजा मिली...

सीबीआई छापे के बाद बोले आर्यन खान केस के अफसर समीर वानखेड़े

मुंबई। आर्यन खान केस में रिश्वत लेने के आरोप में फंसे एनसीबी के पूर्व डायरेक्टर समीर वानखेड़े का कहना है कि उन्हें देशभक्त होने की सजा मिल रही है। बता दें कि वानखेड़े के खिलाफ भ्रष्टाचार के मामले में केस दर्ज किया गया है। शुक्रवार को सीबीआई ने समीर वानखेड़े के मुंबई वाले घर पर छापा मारा था। साल 2021 में वानखेड़े तब चर्चा में आए थे जब अभिनेता शाहरुख खान के बाटे आर्यन को उन्होंने मुंबई के एक क्रूज जहाज से गिरफ्तार कर लिया था।

वानखाड़े पर आरोप है कि उन्होंने इस मामले में आर्यन खान को बचाने के लिए 25 करोड़ रुपये की रिश्वत ली। कहा गया है कि 50 लाख रुपये उनके पास से बरामद किए गए थे। सीबीआई ने 12 घंटे तक वानखेड़े के घर पर छानबीन की थी। इसके अलावा सीबीआई ने उनके पिता के घर पर भी छापा मारा था। सीबीआई ने तीन सरकारी कर्मचारियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। 12 मई को समीर के घर के अलावा 29 जगहों पर सीबीआई ने छापा मारा था। इसके बाद समीर वानखेड़े पर केस भी

दर्ज किया गया। दरअसल 2 अक्टूबर 2021 को मुंबई में कॉर्डेलिया क्रूज पर एनसीपी ने छापा डाला था। यहां पर रेव पार्टी चल रही थी। यहीं से आर्यन खान के साथ कई अन्य लोगों को गिरफ्तार किया गया था।

केदारनाथ हेलीकॉप्टर बुकिंग पर नया नियम, फ्लैक्सी किराया मॉडल लागू; दर्शन को ज्यादा होगा खर्चा

देहरादून। उत्तराखंड चार धाम यात्रा 2023 पर हेली सेवा पर नया अपडेट सामने आया है। हेलीकॉप्टर टिकट बुकिंग पर उनकी थोड़ी सी भी लापरवाही उनकी जेब पर भारी पड़ सकती है। राजस्थान, दिल्ली-एनसीआर, यूपी सहित देश के अन्य राज्यों से आने वाले तीर्थ यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वह समय से ही हेली टिकट बुकिंग कराएं।

केदारनाथ हेलीकॉप्टर बुकिंग के लिए इस बार यूकाडा ने पहली बार फ्लैक्सी किराया मॉडल लागू किया है। इसमें गुप्तकाशी से धाम का किराया 11, 800 तक पड़ रहा है। जो मौजूदा किराए से डेढ़ गुना अधिक है। इस बार केदारनाथ में हेली टिकटों की बुकिंग आईआरसीटीसी के जरिए हो रही है। कंपनियों ने हवाई सेवाओं में मान्य फ्लैक्सी किराया मॉडल हेली सेवा पर भी लागू कर दिया है।

जिसमें देर से टिकट बुक करने पर अधिक किराया चुकाना पड़ता है। इस मॉडल

के तहत गुप्तकाशी से धाम का सामान्य किराया जो आने-जाने के लिए प्रति सवारी 7740 रुपये था, नए मॉडल में 11,800 रुपये तक पड़ रहा है। उक्त बुकिंग भी निरस्त होने वाले टिकटों के बदले की जा रही है, इसका पता अंतिम समय में ही चलता है।

यूकाडा के सीईओ सी रविशंकर ने बताया कि पिछली बार टिकट ब्लैक करने की शिकायतों के बाद यह कदम उठाया गया। यूकाडा ने स्थानीय लोगों के लिए भी जिला प्रशासन के पास प्रति दिन 20 टिकटें उपलब्ध कराई हैं, साथ ही हेली कंपनियां रोजाना छह-छह टिकट ऑफलाइन बेच सकेंगी।

केदारनाथ हेलीकॉप्टर बुकिंग के नाम पर ठगी

केदारनाथ हेलीकॉप्टर सेवा के नाम पर ठगी का सामने आया है। केदारनाथ दर्शन के नाम पर टिकट और चार धाम यात्रा कराने के नाम पर मध्य प्रदेश के 30 श्रद्धालुओं के दल से 1.44 लाख की ठगी हो गई। केदारनाथ की हेलीकॉप्टर यात्रा के टिकट कराने और चार धाम यात्रा कराने के नाम पर तीस बुजुर्ग श्रद्धालुओं के साथ ऑनलाइन ठगी हो गई। केदारनाथ हेलीकॉप्टर सेवा बुकिंग के नाम पर कई फर्जी वेबसाइट भी चल रहीं हैं।

अकोला में दो गुटों की हिंसक झड़प में 1 की मौत, एक पुलिसकर्मी सहित 3 घायल...धारा 144 लगी

महाराष्ट्र। महाराष्ट्र के अकोला शहर में एक सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर दो समुदायों के बीच झड़प हो जाने के बाद शहर के कुछ हिस्सों में आपराधिक दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 लागू की गई, ताकि लोगों को गैरकानूनी तरीके से एकत्र होने से रोका जा सके। हिंसक झड़प में एक नागरिक की मौत हो गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मोनिका राउत ने बताया कि संवेदनशील 'ओल्ड सिटी' इलाके में शनिवार को रात करीब साढ़े 11 बजे हुई झड़प में दो-तीन लोग घायल हो गए।

उन्होंने बताया कि झड़प में एक व्यक्ति की मौत हो जाने की आशंका है। उन्होंने बताया कि दोनों समूहों के सदस्यों ने एक दूसरे पर पथराव किया। इस दौरान कुछ वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गए। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने दंगाइयों को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोलों का इस्तेमाल किया और हालात काबू किए। स्थानीय प्रशासन ने बताया कि राज्य के उप मुख्यमंत्री और अकोला जिले के संरक्षक मंत्री देवेंद्र फडणवीस स्थिति पर नजर रख रहे हैं।

फडणवीस ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की। जिला मजिस्ट्रेट नीमा अरोड़ा ने कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए शहर के चार पुलिस

थाना क्षेत्रों में CRPC की धारा 144 लागू करने का आदेश दिया। राउत ने बताया कि घटना के बाद शहर में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। उन्होंने बताया कि अमरावती से राज्य रिजर्व पुलिस के एक हजार कर्मियों को अकोला शहर में तैनात किया गया है। राउत ने नागरिकों से अपील की कि वे घबराए नहीं और किसी भी अफवाह पर विश्वास न करें।

ई-वाहन पर और ज्यादा छूट की तैयारी, केजरीवाल सरकार लाएगी इलेक्ट्रिक व्हीकल पॉलिसी का अगला चरण

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार इलेक्ट्रिक व्हीकल पॉलिसी का अगला चरण लाने की तैयारी कर रही है। इसके लिए जल्द ही परिवहन विभाग सभी पक्षों के साथ मंथन करेगा। उम्मीद जताई जा रही है कि पॉलिसी के अगले चरण में ईवी खरीदने पर ज्यादा लाभ दिया जा सकता है। दावा किया जा रहा है कि नई पॉलिसी ने दिल्ली में ईवी की खरीद में बढ़ोतरी होगी। राजधानी में इलेक्ट्रिक वाहनों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। सरकार का मानना है कि भविष्य में दिल्ली के अंदर इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए व्यापक संभावनाएं हैं। ऐसे में इलेक्ट्रिक वाहनों की संख्या बढ़ाने के लिए छोटे-बड़े पहलू पर ध्यान देने की जरूरत होगी। बेहतर चार्जिंग ढांचा खड़ा करना होगा।

दिल्ली में इलेक्ट्रिक वाहन पॉलिसी 2020 में शुरू की गई थी। तब से लेकर अब तक दिल्ली में 1.16 लाख से अधिक इलेक्ट्रिक वाहन बिक चुके हैं। लोग इलेक्ट्रिक वाहनों को पसंद कर रहे हैं।

कार्यशाला में लोगों से सुझाव लिए जाएंगे – परिवहन विभाग की ओर से 24 मई को इंडिया हैबिटेट सेंटर में कार्यशाला होगी। इसमें ईवी से जुड़े हर व्यक्ति को आमंत्रित किया है। हर पक्ष की चिंताएं, समस्या और उनके समाधान पर चर्चा की जाएगी। इलेक्ट्रिक वाहनों की खरीद बढ़ाने के लिए ईवी चलाने वाले लोगों के साथ हर बिंदु पर चर्चा की जाएगी।

इलेक्ट्रिक वाहन 2.0 में इन प्रावधानों की उम्मीद

सरकार हाउसिंग सोसायटी, दफ्तर की पार्किंग में चार्जिंग प्वाइंट लगाना अनिवार्य कर सकती है।

सभी निजी और सरकारी पार्किंग के लिए भी चार्जिंग प्वाइंट लगाना अनिवार्य किया जा सकता है।

निजी वाहन के तौर पर इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने वालों को पहले से ज्यादा लाभ दिया जा सकता है।

दिल्ली-यूपी में चलेगी लू, इन राज्यों में हो सकती है बारिश

नई दिल्ली। मौसम विभाग ने चक्रवाती तूफान मोका को लेकर अलर्ट जारी किया है। विभाग के अनुसार, त्रिपुरा, मिजोरम, नगालैंड, मणिपुर और दक्षिण असम के कई स्थानों पर आज भारी बारिश होगी।

70 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलेंगी हवाएं

विभाग के अनुसार, चक्रवात मोका अंडमान और निकोबार द्वीप समूह की राजधानी पोर्टब्लेयर के उत्तर-उत्तर पश्चिम में बना हुआ है। इससे उत्तरी अंडमान सागर में 45-65 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल सकती है। वहीं, त्रिपुरा, मिजोरम और दक्षिण मणिपुर में 50 से 70 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है।

दिल्ली में 43 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंचा पारा

देश की राजधानी दिल्ली के कुछ इलाकों में तापमान 43 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है, जिससे लू की स्थिति बनी हुई है। वहीं, पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से अगले हफ्ते कुछ इलाकों में बारिश होने की संभावना जताई गई है। आज दिन में 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल सकती है। अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है।

अगले चार दिनों के मौसम का पूर्वानुमान

आज से 16 मई के दौरान पूर्वोत्तर भारत

में हल्की से मध्यम वर्षा हो सकती है।

आज और कल अरुणाचल प्रदेश के छिटपुट स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है।

आज से 17 मई के दौरान असम, मेघालय, नगालैंड, त्रिपुरा, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में भारी बारिश की होने की संभावना है।

लू की चेतावनी

मौसम विभाग के अनुसार, शनिवार से उत्तर पश्चिम भारत में लू का प्रकोप शुरू हो गया है। गुजरात में अधिकतम तापमान सामान्य से 4-6 डिग्री सेल्सियम अधिक रहा। जबकि राजस्थान में पारा 45 डिग्री के पार पहुंच गया।उम्मीद जताई जा रही है कि लू की स्थिति अस्थायी रहेगी। विभाग के मुताबिक, आज राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली, दक्षिण-पश्चिम उत्तर प्रदेश में, जबकि कल पश्चिम मध्य प्रदेश और विदर्भ में लू की स्थिति बनी रहेगी। इस दौरान अधिकतम तापमान सामान्य से पांच से छह डिग्री सेल्सियस अधिक रहेगा।

अधिकतम तापमान में दो से चार डिग्री सेल्सियस का इजाफा

मौसम विभाग के अनुसार, अगले चार दिनों के दौरान प्रायद्वीपीय भारत के कुछ हिस्सों में अधिकतम तापमान में दो से चार डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होने की संभावना है। आज उत्तर पश्चिम भारत में तापमान में दो डिग्री सेल्सियस का इजाफा होगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

कंगाली में बवाल

पाक में बीते वर्ष अप्रैल में सेना ने पूर्व नियोजित पटकथा के अनुसार अविश्वास प्रस्ताव के जरिये इमरान खान की सरकार को गिराकर अपनी सुविधा के राजनीतिक गठबंधन को सत्ता की बागडोर सौंप दी थी। दरअसल, खुफिया एजेंसी आईएसआई के प्रमुख पद पर अपनी पसंद के जनरल की नियुक्त के मसले पर सेना प्रमुख से हुए टकराव के बाद सेना इमरान खान के खिलाफ हो गई थी। सुप्रीम कोर्ट द्वारा अप्रत्याशित ढंग से कई बार राहत देने के बाद हाईकोर्ट के जरिये एक कथित भ्रष्टाचार के मामले में इमरान खान की नौ मई को गिरफ्तारी की गई। लेकिन गिरफ्तारी के दौरान इमरान खान के साथ जिस तरह हिंसक व्यवहार किया गया, वह दुर्भाग्यपूर्ण ही कहा जायेगा। दरअसल, दबंग नेता व पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान सेना की निरंकुशता के खिलाफ लगातार मुखर थे। तभी आठ मई को उनके द्वारा सेना के खिलाफ दिये गये बयान के बाद उनकी गिरफ्तारी की पटकथा लिखी गई और अगले दिन ही गिरफ्तार कर लिया गया। वैसे इमरान खान को भी आशंका थी कि उन्हें गिरफ्तार किया जायेगा। तभी उन्होंने एक वीडियो के जरिये अपने समर्थकों को उद्वेलित कर दिया था। जिस तरह लगातार उनके खिलाफ विभिन्न मामलों में मुकदमे दर्ज किये जा रहे थे, उसे देखकर तय था कि उनकी गिरफ्तारी की तैयारियां कर ली गई हैं। तभी उनकी गिरफ्तारी के बाद पूरे पाकिस्तान में उबाल है। हिंसा-आगजनी से पूरे पाकिस्तान में अराजकता की स्थिति है। लेकिन न्यायालय परिसर में इमरान की गिरफ्तारी के बाद न्यायपालिका में भी आक्रोश व्याप्त है, जो कालांतर सत्ता और न्यायपालिका के बीच टकराव की वजह बन सकती है। ऐसे वक्त में जब पाक में इमरान खान की लोकप्रियता उफान पर है, टकराव का सिलसिला लंबा चल सकता है। कुछ इलाके पहले ही सेना के हवाले किये जा रहे हैं। यह घटनाक्रम प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की जरूरत के अनुरूप भी है क्योंकि सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद उनके दरकते गढ़ पंजाब में विधानसभा चुनाव होने थे। निस्संदेह, फिलहाल पाक में इमरान खान व उनकी पार्टी पीटीआई की लोकप्रियता चरम पर है। जिसके चलते पाक की सत्ता पर काबिज गठबंधन और सेना चाहती है कि किसी तरह इमरान खान को चुनाव लड़ने के लिये अयोग्य ठहराया जाये। सत्ता व उसके अन्य प्रतिष्ठानों में गहरा दखल रखने वाली सेना कभी नहीं चाहती कि पाक में कोई लोकतांत्रिक ढंग से चुना कद्दावर नेता सत्ता पर आसीन हो। ऐसा होने से सेना के निरंकुश व्यवहार पर आंच आती है। तभी जल्दी आम चुनाव कराने के लिये आंदोलनरत इमरान खान को दागी करार देकर सत्ता से बाहर रखने का प्रपंच किया गया। कोशिश है कि सेना की सुविधा के अनुसार सरकार का गठन पाकिस्तान में किया जाये। यह विडंबना ही है कि विभाजन के साथ ही अस्तित्व में आये भारत में जहां अमृतकाल का उत्सव जारी है और लोकतंत्र फल-फूल रहा है, वहीं पाकिस्तान में बार-बार लोकतंत्र का गला घोटा जा रहा है। इतिहास गवाह है कि जुल्फिकार अली भुट्टो से लेकर नवाज शरीफ तक को सत्ता से बेदखल करके सैन्य सत्ता का मार्ग बार-बार प्रशस्त किया गया। साजिशों और सैन्य बल प्रयोग से पाकिस्तान में लोकतंत्र बार-बार मरणासन्न हुआ है। भ्रष्टाचार, कुशासन, सेना की विलासिता और आतंकवाद को राष्ट्रीय नीति बनाने का ही नतीजा है कि पाकिस्तान आज आर्थिक रूप से दिवालिया होने के कगार पर है।

आज का राशिफल

मेष शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा।

वृषभ पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। खान-पान में संतुलन बना कर रखें। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

मिथुन दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। आय के नये स्त्रोत बनेंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। धन लाभ होगा।

सिंह रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा।

तुला आर्थिक योजना सफल होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी रिश्तेदार से तनाव मिल सकता है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

वृश्चिक पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। अधीनस्थ कर्मचारी का सहयोग रहेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

धनु जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। फिजूलखर्ची से बचें अन्यथा कर्ज की स्थिति आ सकती है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन हानि की संभावना है।

मकर दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कुम्भ गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। खान पान में संयम रखें। स्वास्थ्य शिथिल रहेगा। आमोद प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी।

मीन पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

गरीबी उन्मूलन के क्षेत्र में विश्व को राह दिखाता भारत

(लेखक- प्रहलाद सबनानी)

भारत में विशेष रूप से कोरोना महामारी के बीच एवं इसके बाद केंद्र सरकार द्वारा गरीब वर्ग के लाभार्थ चलाए गए विभिन्न कार्यक्रमों के परिणाम अब सामने आने लगे हैं। विशेष रूप से प्रधानमंत्री गरीब अन्न कल्याण योजना के अंतर्गत देश के 80 करोड़ नागरिकों को मुफ्त अनाज की जो सुविधा प्रदान की गई है एवं इसे कोरोना महामारी के बाद भी जारी रखा गया है, इसके परिणामस्वरूप देश में गरीब वर्ग को बहुत लाभ हुआ है। हाल ही में अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने भारत में गरीबी के अनुमान पर एक वर्किंग पेपर जारी किया है। इस वर्किंग पेपर में अलग अलग मान्यताओं के आधार पर भारत में गरीबी को लेकर अनुमान व्यक्त किए गए हैं। इस वर्किंग पेपर के अनुसार, हाल ही के समय में भारत में 1.2 करोड़ नागरिक अतिगरीबी रेखा के ऊपर आ गए हैं। वर्ष 2022 में विश्व बैंक द्वारा जारी किए गए एक अन्य प्रतिवेदन के अनुसार, वर्ष 2011 में भारत में 22.5 प्रतिशत नागरिक गरीबी की रेखा के नीचे जीवन यापन करने को मजबूर थे परंतु वर्ष 2019 में यह प्रतिशत घटकर 10.2 रह गया है। वर्ष 2016 में भारत में अतिगरीब वर्ग की आबादी 12.4 करोड़ थी जो वर्ष 2022 में घटकर 1.5 करोड़ रह गई है। पिछले दो दशकों के दौरान भारत में 40 करोड़ से अधिक नागरिक गरीबी रेखा से ऊपर आ गए हैं। दरअसल पिछले लगभग 9 वर्षों के दौरान भारत के सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक परिवेश में कई बड़े बदलाव देखने को मिले हैं। जिसके चलते भारत में गरीबी तेजी से कम हुई है और भारत को गरीबी उन्मूलन के मामले में बहुत बड़ी सफलता प्राप्त हुई है।

अतिगरीबी का आकलन 1.9 अमेरिकी डॉलर प्रतिव्यक्ति प्रतिदिन आय के आधार पर किया जाता है। इस परिभाषा के अनुसार किए गए आकलन के अनुसार अब भारत में केवल 0.9 प्रतिशत नागरिक ही इस गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे हैं। कुछ वर्ष पूर्व तक भारत में करोड़ों नागरिक अतिगरीबी में जीते थे। वैश्विक स्तर पर एक दूसरी परिभाषा के अनुसार भी गरीबी का आकलन किया जाता है। इसके अनुसार जिस नागरिक की प्रतिदिन आय 3.2 अमेरिकी डॉलर से कम है, वह व्यक्ति गरीबी रेखा के नीचे जीवन करने वाला नागरिक माना जाता है।

इसी प्रकार, संयुक्त राष्ट्र (यूएनडीपी) द्वारा जारी किये गए एक अन्य प्रतिवेदन के अनुसार भी पिछले 15 वर्षों के दौरान भारत में गरीबी आधे से ज्यादा घटी है। वैश्विक बहुआयामी गरीबी सूचकांक में भारत ने कई देशों को पीछे छोड़ा है। भारत सरकार ने गरीबवर्ग के नागरिकों को गरीबी रेखा से ऊपर लाने में सफल नेतृत्व प्रदान किया है। स्वास्थ्य, शिक्षा एवं जीवन स्तर जैसे मानकों के आधार पर भारत ने अच्छा काम किया है एवं भारत सरकार द्वारा इस संदर्भ में लागू की गई विभिन्न योजनाओं का अच्छा असर हुआ है। भारत ने गरीबी के खिलाफ जंग में एक मिसाल पेश की है। भारत की इस सफलता पर यूएनडीपी ने भारत सरकार की जबरदस्त सराहना की है। भारत में अतिगरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले करोड़ों नागरिकों का इतने कम समय में गरीबी रेखा के ऊपर आना विश्व के अन्य देशों के लिए एक सबक है। इतने कम समय में किसी भी देश में इतनी तादाद में लोग अपनी आर्थिक स्थिति सुधार पाए हैं ऐसा कहीं नहीं हुआ है। भारत में गरीबी का जो बदलाव आया है वह धरातल पर दिखाई देता है। इससे पूरे विश्व में भारत की छवि बदल गई है।

वैश्विक बहुआयामी गरीबी सूचकांक 2022 प्रतिवेदन के अनुसार ग्लोबल मल्टी डाईमेंशनल पावर्टी इंडेक्स को जारी करने के पूर्व, पूरे विश्व के 111 देशों के परिवारों में सर्वे किए गए। कुल मिलाकर पूरे विश्व के 610 करोड़ नागरिकों का सर्वेक्षण किया गया एवं यह पाया गया कि पूरे विश्व में 120 करोड़ नागरिक अभी भी अतिगरीबी से जूझ रहे हैं। वहीं संयुक्त राष्ट्र द्वारा जारी प्रतिवेदन में बताया गया है कि विश्व के विभिन्न देशों में 59 करोड़ गरीब नागरिकों को ईंधन की सुविधा उपलब्ध नहीं हैं। यह परिवार भोजन पकाने के लिए ईंधन एवं घरों में रोशनी के लिए बिजली की व्यवस्था नहीं कर पा रहे हैं। जबकि भारत गरीबी के ख़िलाफ़ जंग को बहुत मजबूती के साथ लड़ रहा है। भारत में 41.5 करोड़ नागरिक गरीबी रेखा के ऊपर लाए जा चुके हैं। संयुक्त राष्ट्र ने इसे ऐतिहासिक बदलाव बताया है। भारत में कोरोना महामारी खंडकाल के दौरान एवं इसके बाद भी अत्यधिक गरीबी के स्तर में कोई बढ़ोत्तरी दर्ज नहीं की गई है जबकि विश्व के अन्य कई देशों में इस संदर्भ में स्थिति अभी भी दयनीय बनी हुई है। अमेरिका जैसे विकसित देश में भी होमलेस नागरिकों की संख्या 6 लाख से अधिक बताई जा रही है। भारत में 60, 70 एवं 80 के दशकों में हम लगभग समस्त नागरिक हमारे बचपन काल से ही सुनते आए हैं कि भारत एक गरीब देश है एवं भारतीय नागरिक अति गरीब हैं। हालांकि भारत का प्राचीनकाल बहुत उज्जवल रहा है, परंतु आक्रांताओं एवं ब्रिटेन ने अपने शासन काल में भारत को लूटकर एक गरीब देश बना दिया था। अब समय का चक्र पूर्णतः घूमते हुए आज के खंडकाल पर आकर खड़ा हो गया है एवं भारत पूरे विश्व को कई मामलों में अपना नेतृत्व प्रदान करता दिखाई दे रहा है। गरीबी उन्मूलन का क्षेत्र भी अब इसमें शामिल हो गया है। भारत के आर्थिक विकास के संबंध में पिछले कुछ वर्षों से लगातार बहुत अच्छी ख़बरें सुनाई दे रही हैं। सकल घरेलू उत्पाद में तेज वृद्धि दर, भारत से उत्पादों के निर्यात में तेज होती वृद्धि दर और अभी हाल ही में अंतरराष्ट्री मुद्रा कोष द्वारा जारी एक रिपोर्ट, जिसमें बताया गया है कि भारत में गरीबी में भारी कमी दर्ज की गई है।

भारत में राजनैतिक स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात गरीबी हटाओ का नारा तो बहुत लगाया गया परंतु धरातल पर गरीबी हटती हुई दिखाई नहीं दी थी। गरीबी हटाने के लिए भारत में कई योजनाएं बनी, कई कार्यदल बने एवं कई समितियां बनीं परंतु गरीबी में कोई बड़ा बदलाव दिखाई नहीं दिया। इस संदर्भ में गठित की गई कुछ महत्वपूर्ण समितियों को यहां दर्शाया जा रहा है। वर्ष 1962 में योजना आयोग कार्य समूह का गठन, वर्ष 1971 वी.एम.दांडेकर और एन.रथ समिति, वर्ष 1979 में अलघ समिति, वर्ष 1993 में लकड़ावाला समिति, वर्ष 2009 में तेंदुलकर समिति एवं वर्ष 2014 में रंगराजन समिति। इसी प्रकार तत्कालीन सरकारों द्वारा उठाए गए कदमों में शामिल हैं, वर्ष 1952 में सामुदायिक विकास परियोजना, वर्ष 1953 में राष्ट्रीय विस्तार सेवा कार्यक्रम लांच किया गया, वर्ष 1970 में सूखा क्षेत्र पीड़ित कार्यक्रम लाया गया, वर्ष 1971 में लघु कृषक विकास एजेंसी की स्थापना की गई। साथ ही, पंचवर्षीय योजनाओं के जरिए गरीबी कम करने की कोशिश की गई, चौथी पंचवर्षीय योजना में गरीबी से मुक्ति प्राप्त करने, सामाजिक समानता लाने एवं सामाजिक न्याय की स्थापना करने का प्रण लिया गया। परंतु भारत में गरीबी कम करने के संदर्भ में कुछ उत्साहजनक परिणाम दिखाई नहीं दिए थे, जबकि वर्ष 2014 से वर्ष 2022 के बीच वर्तमान केंद्र सरकार द्वारा लागू की गई समस्त योजनाएं सफलतापूर्वक लागू की जा सकी हैं।

भारत सरकार द्वारा चलाई गई विभिन्न योजनाओं का लाभ कतार में अंतिम पंक्ति में खड़े नागरिक तक पहुंचाने का भरपूर प्रयास किया गया है। इसके लिए भारत में ही निर्मित की गई तकनीकी का भी इस्तेमाल किया गया है। इस संदर्भ में पिछले 9 वर्षों के दौरान केंद्र सरकार ने मिशन मोड में कार्य किया है। सबसे पहिले नागरिकों को स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत सरकार की मदद से शौचालय निर्माण हेतु प्रेरित किया गया। इससे गरीब वर्ग के नागरिकों में भी विश्वास जागा कि उनके परिवार को स्वस्थ रखने के लिए खुले में शौच करना बंद करना होगा और शौचालयों का निर्माण करना ही होगा। ग्रामीण परिवारों को स्वच्छ ईंधन उपलब्ध कराने की दृष्टि से उज्जवला योजना को लागू किया गया। ग्रामीण क्षेत्रों में इस योजना के लागू होने के पूर्व ईंधन के लिए महिलाओं को जंगलों से लकड़ी लाने की व्यवस्था करनी होती थी।

इसी प्रकार प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना, आयुषमान भारत योजना, जनधन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, एक राष्ट्र एक राशन कार्ड योजना, आदि योजनाओं का भी बहुत अच्छा असर धरातल पर दिखाई दिया है। भारत में आर्थिक सुधार कार्यक्रमों के अंतर्गत आधारभूत ढांचे को विकसित किया जा रहा है, टेलिकॉम क्षेत्र में क्रांति हुई है, डिजिटलाईजेशन क्षेत्र में क्रांति हुई है, गरीब वर्ग के नागरिकों के बैंक खातों में सहायता राशि सीधे ही जमा की जा रही है, जिससे भ्रष्टाचार एक तरह से खत्म होकर गरीब वर्ग के नागरिकों के हाथों में पूरी सहायता राशि पहुंच रही है। सारे लीकेज बंद कर दिए गए हैं। बल्कि, गरीब नागरिकों में भी अब उत्साह जाग रहा है कि आर्थिक रूप से अब और आगे कैसे बढ़ें। अतिगरीब नागरिकों के गरीबी रेखा के ऊपर आने के बाद अब इनकी आय में वृद्धि किए जाने के प्रयास भी किए जा रहे हैं ताकि आज का यह गरीब वर्ग कल का मध्यम वर्ग बने और देश के आर्थिक विकास में अपना भरपूर योगदान दे सके। भारत द्वारा राजनैतिक स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात देश में ऐसा उत्साह भरा माहौल पहली बार दिखाई दे रहा है।

कर्नाटक नतीजे नई इबारत तो नहीं लिखेंगे?

(लेखक- सुनील माथुर)

कर्नाटक विधान चुनाव में कांग्रेस की बम्पर और ऐतिहासिक जीत ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि देश में लोकतंत्र न केवल मजबूत है बल्कि जनता के मूल मुद्दों से इतर ध्रुवीकरण की कोशिशों नाकाम होंगी। कांग्रेस के बहुमत की उम्मीद तो थी, लेकिन नतीजा ऐसा चौंकाने वाला आएगा ये हैरान करता है। शायद भाजपा और खुद प्रधानमंत्री मोदी भी नतीजों से असहज होंगे। हर वक्त चुनावी मोड में रहने वाली भाजपा नेमोदी मैजिक को भंजाने के लिए सारे दांव-पेंच चले।सारी चुनावी बिसातें को बिछाकर एक-एक कार्यकर्ताओं को साधने की जुगत में महारत के बावजूद ऐसे नतीजों से ना उम्मीदहोगी बल्कि सतर्क भी होगी क्योंकि 2024 के आम चुनाव दूर नहीं हैं। निश्चित रूप से कर्नाटक का चुनाव कांग्रेस के लिए संजीवनी वहीं भाजपा को दूसरी बार झटका है। अपने मैजिक से आगे दूसरों के मैजिक को नकारने की गलती पर भी मंथन को मजबूर होना पड़ेगा।

इसके पहले हिमाचल प्रदेश में भी भाजपा को उम्मीद से इतर नतीजों ने हैरान किया था। वहां भी प्रधानमंत्री मोदी को प्रमुख चुनावी चेहरा बनाकर चुनावी वैतरणी में भाजपा ने गोता लगाया था। कमोवेश इससे बड़ी रणनीति बनाकर प्रधानमंत्री ने कर्नाटक में बड़े-बड़े रोड शो किए और जनमानस को लुभाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी। जबकि हिमाचल में कांग्रेस ने राहुल की यात्रा के बीच प्रियंका को सामने रख चुनाव लड़ा था। वहीं कर्नाटक में राहुल, प्रियंका, खरगे सहित पूरी पार्टी एकजुटता के साथ मैदान में डटी रही और भाजपा की हर बिसातों को मात दी।

ऐसा लगता है कि देश की जनता को अब लोक लुभावन वायदों, जातीय और धार्मिक ध्रुवीकरण से आगे की चिन्ता होने लगी है जो बेहद अच्छा संदेश है। कर्नाटक में जिस तरह से धर्म और जाति के आधार पर मतदाताओं की संख्या और आंकड़ों का गणित लगाया गया इससे इतर नतीजों ने बता दिया कि वहां का मतदाता अलग सोच रखता है। कर्नाटक में भाजपा के मुख्यमंत्री बदलने के फॉर्मूले से भी अलग संदेश गया जिसको शायद भाजपा नहीं समझ पाई? जब कर्नाटक की जनता वहां के मुख्य मुद्दे मंहगाई, बेरोजगारी के साथ-साथ गैस सिलेण्डर जैसे आम जरूरतों पर नफा-नुकसान को चिंतित थी तब भाजपा बजरंग बली और लिंगायत मतदाताओं को लुभाने सक्रिय थी। जबकि कांग्रेस स्थानीय मुद्दों, मंहगाई और भ्रष्टाचार पर केन्द्रित रही। वहां चुनाव में बजरंग बली और टीपू सुल्तान की गूंज खूब सुनाई दी। लेकिन जिस खामोशी से कर्नाटक के मतदाताओं ने नतीजे दिए उससे यही लगता है कि नेताओं से ज्यादा परिपक्व भारत का मतदाता है। सच भी है ये पब्लिक है, सब जानती है।

कर्नाटक में जिस तरह से भाजपा के तमाम तुरुप के पत्ते भी ढ़ह गए। कई मंत्री और दिग्गज तो हारे ही लेकिन जिन मुद्दों को चुनावी एजेण्डा बनाया गया उसे भी जनता ने नकार दिया। साल की आखिरी तिमाही में फिर विधानसभा चुनावों की सरगर्मियां बढ़ेंगी। अंत तिमाही में मध्यप्रदेश,राजस्थान,छत्तीसगढ़, मिजोरम और तेलंगाना राज्यों में चुनाव प्रक्रिया होगी। संभव है इसी समय केंद्र शाषित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में भी चुनाव हो जाएं। कांग्रेस के पास केवल राजस्थान और छत्तीसगढ़ है। मिजोरम की सत्ता पर भाजपा के सहयोग से क्षेत्रीय दल काबिज है। तेलंगाना में भारत राष्ट्र समिति यानी बीआरएस सत्तासीन है। मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव हैं जिन्होंने कर्नाटक में जनता दल (सेकुलर) का समर्थन किया। ऐसे में बीआरएस अब तक भाजपा को चुनौती मान रही थी, अब कांग्रेस के आत्मविश्वास से चिंतित होगी। केंद्र शासित प्रदेश बनने के बाद से जम्मू-कश्मीर में चुनाव नहीं हुए। वहां मतदाता सूची संक्षिप्त पुनरीक्षण के अंतिम चरण में है, प्रकाशन 27 मई को होगा। वहां 19 जून 2018 से सरकार बेदखल है और केन्द्र के अधीन है। बिगड़ती सुरक्षा स्थिति के चलते महबूबा मुफ्ती की सरकार से भाजपा ने समर्थन खींचा था।

उधर हिन्दी पट्टी चुनावी क्षेत्रों में मध्यप्रदेश है।वहां भाजपा संगठन में दिख रहा अंर्तकलह और दलबदल कर आए विधायकों को लेकर हुए उलट फेर और दिग्गजों के चौंकाने वाले बयान सामने हैं। वहीं छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल की छवि बेहद अलग व साधारण लेकिन लोकहितैषी छवि के चलते कांग्रेस में कोई बड़ी गुटबाजी दिखती नहीं। गाय, गोबर, आत्मानन्द स्कूल और नए जिलों के गठन से बनी अलग छवि भाजपा के लिए बड़ी चुनौती है। हां राजस्थान में कांग्रेस की आपसी खींचतान बड़ा नुकसान का सबब जरूर बन सकती है। न तो पायलट रुकने वाले और न ही अशोक गहलोत थमते दिखते। ऐसे में भाजपा कौन सा दांव चलेगी यह देखने लायक होगा। वसुंधरा राजे सिंधिया को लेकर भी अक्सर कई तरह के कयास लगाए जाते हैं। वैसे भी तीन दशक से वहां सरकार बदलने का चलन है।

लेकिन इतना जरूर है कि जिस मेहनत और एकाग्रता से कांग्रेस ने कर्नाटक के जरिए राष्ट्रीय राजनीति में वापसी की है उससे उसका आत्मविश्वास इतना जरूर बढ़ गया है कि 2024 के आम चुनाव के लिए नई ताकत व जोश से सामने हो। यह भी नहीं भूलना होगा कि पंजाब के जालंधर लोकसभा उप-चुनाव में आम आदमी पार्टी ने करीब 56 हजार वोटों से बड़ी जीत दर्ज कर कांग्रेस कोपटखनी दी। इससे पहले संगरूर सीट मुख्यमंत्री भगवंत मान के इस्तीफे से खाली हुई थी जिसे अकाली दल के सिमरनजीत सिंह मान ने जीती थी। ऐसे समीकरण भाजपा व कांग्रेस दोनों के लिए आम चुनाव 2024 में नयी सियासत और संभावनाओं के लिए चुनौती बनेंगे। ऐसा लगता है कि आम लोगों के खास मुद्दों को लेकर मतदाताओं की सजगता ज्यादा बढ़ी है। अगले आम चुनाव में तमाम क्षेत्रीय दलों के राष्ट्रीय राजनीति में शर्ट की बांह समेटने और ताल ठोंकने पर कुछ तो विराम लगेगा। उससे भी बड़ा यह कि कांग्रेस विहीन का नारा नहीं होगा। पप्पू की छवि से बाहर निकल राहुल गांधी का गंभीर व वजनदार चेहरा भी विरोधियों के लिए चुनौती होगी। बहरहाल कर्नाटक के नतीजों से भाजपासहित तेजी से उभर रहे क्षेत्रीय दलों को आत्मचिंतन जरूर करना पड़ेगा। उससे भी बड़ा सवाल यही कि क्या कर्नाटक के नतीजे राष्ट्रीय राजनीति में बदलाव की सुनामी तो नहीं साबित होंगे?

एक अकेला थक जाएगा, साथी हाथ बढ़ाना

(लेखक-सनत जैन)

कर्नाटक विधानसभा का चुनाव भारतीय जनता पार्टी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चेहरे पर लड़ा। डबल इंजन की सरकार में एक ही एंजन चेहरा प्रधानमंत्री मोदी का है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता और छवि के कारण 2014 के बाद जितने भी चुनाव हुए हैं। उन सभी में सबसे ज्यादा मतदान मोदी के चेहरे पर हुआ है। पिछले 9 वर्षों में भाजपा का संगठन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर आश्रित भाजपा के नेता और कार्यकर्ता मानते है कि नरेंद्र मोदी के चेहरे पर चुनाव लड़ेंगे, और चुनाव जीत जाएंगे। कर्नाटक विधानसभा के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने पन्ना प्रमुख से लेकर संगठन के हर स्तर के नेताओं और कार्यकर्ताओं को कर्नाटक विधानसभा चुनाव में लगाया था। हर जिले में सरकार की योजनाओं का प्रचार प्रसार करने के लिए केंद्रीय मंत्रियों और सांसदों को जिम्मेदारी सौंपी गई थी। पिछले 6 माह से प्रचार सुनियोजित रूप से किया जा रहा था। भाजपा और सरकार ने अपने सभी संसाधन कर्नाटक विधानसभा चुनाव में झोंक दिए थे। इसके बाद भी 2018 के चुनाव से कम सीटें भाजपा को मिली हैं। यह भाजपा के लिए चिंता का विषय है। भारतीय जनता पार्टी वर्तमान में प्रधानमंत्री मोदी के कारण, सत्ता और संगठन में मजबूत हैं। सभी सूत्र प्रधानमंत्री मोदी जी निकलते हैं, और उन पर जाकर खत्म हो जाते हैं। इस बार कांग्रेस ने कर्नाटक चुनाव प्रचार में अपनी पूरी ताकत से प्रचार किया। राहुल गांधी, मलिकार्जुन खरगे, प्रियंका गांधी, सिद्ध रमैया, डीके शिवकुमार सहित कांग्रेस के नेताओं ने पूरी क्षमता के साथ एकजुट होकर चुनाव लड़ा । आम जनता की तकलीफों को समझा। आमजन को राहत देने के लिए चुनाव पूर्व घोषणा और प्रचार प्रसार किया। पहली बार कांग्रेस ने, कर्नाटक की सरकार तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उनकी ही शैली में घेरने का काम किया। कांग्रेस के इस आक्रमक रुख से कर्नाटक की जनता में यह विश्वास बना कि कांग्रेस उनके हितों की रक्षा कर सकेगी। जनता भी खुलकर कांग्रेस के सामने आई समर्थन में जिसके कारण कांग्रेस को कर्नाटक में अप्रत्याशित सफलता प्राप्त हुई है। पहली बार कांग्रेस में गुटबाजी नहीं दिखी। सब ने मिलकर हर संभव प्रयास किया। जिसके सार्थक परिणाम 136 सीटें जीतकर कांग्रेस को उत्थान की ओर ले जाने में सफलता मिली है। कांग्रेस इस जीत से सबक ले। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को इस जीत से ज्यादा उत्साहित होने की जरूरत नहीं है। यह जीत सभी के प्रयास से हुई है। कांग्रेस संगठन और गांधी परिवार को यह समझना होग। भविष्य में संगठन को मजबूत बनाना, निर्वाचित प्रतिनिधियों का सम्मान, कार्यकर्ता की महत्वपूर्ण भूमिका हैं। इन्हें आगे लाना होगा। विशेष रूप से युवाओं और महिलाओं की भागीदारी कांग्रेस संगठन में बढ़ानी होगी। केंद्रीय एवं प्रादेशिक राजनेताओं में समन्वय बनाकर रखना होगा। भारत जोड़ो यात्रा ने राहुल गांधी की एक नई छवि बनाई है। उनकी मेहनत रंग ला रही है। लेकिन उन्हें यह समझना होगा, एक अकेला थक जाएगा, साथी हाथ बढ़ाना। यदि सभी का साथ रहा, तो निश्चित रूप से कांग्रेस एक बार फिर, आम जनता का नेतृत्व करने वाली पार्टी बनेगी। कांग्रेस को आंदोलन करने वाली पार्टी बनना होगा। जनता को लगे कि कांग्रेस उसकी लड़ाई लड़ रही है। तब जनता कांग्रेस के साथ खड़ी होगी। पिछले 30 वर्षों में कांग्रेस संगठन निष्क्रिय था। गांधी परिवार के इर्द-गिर्द चापलूस नेताओं का जमघट हो गया था। भारत जोड़ो यात्रा, हिमाचल और कर्नाटक के विधानसभा चुनाव से यह दूरियां कम हुई हैं। गांधी परिवार और कांग्रेस संगठन नेताओं और कार्यकर्ताओं के महत्व को समझ रहा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भारतीय जनता पार्टी से जुड़े हुए लगभग 84 अनुवांशिक संगठन है। जो लगातार जनता के बीच सक्रिय रहते हैं। कांग्रेस के संगठन निष्क्रिय संगठन मजबूत होगा। तभी कांग्रेस मजबूत हो पाएगी। सत्ता बलशाली हाथों में ही सुरक्षित होती है। कांग्रेस संगठन मजबूत नहीं होगा तो जैसे पिछली बार कर्नाटक तथा मध्य प्रदेश की कांग्रेस सरकारें गिरा दी गई। आगे भी ऐसी ही गिरा दी जाएंगी। भाजपा संगठन को समय रहते समझना होगा कि पैसे एवं ताकत के बल पर ज्यादा समय तक सत्ता पर बने रहना संभव नहीं है। शासन उन्हीं का सुरक्षित होता है, जिनके राज में जनता सुखी होती है। केंद्र में 9 साल से भाजपा की सरकार है । प्रधानमंत्री मोदी के चमत्कारिक, ईश्वरीय नेतृत्व से केंद्र की सत्ता मोदी के इर्द-गिर्द घूम रही है। कांग्रेस में जो बुराइयां 50 सालों में विकसित हुई थी। ठीक उसी तरह की बुराइयां अब भाजपा संगठन में देखने को मिल रही हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह ही पार्टी से संबंधित सारे निर्णय ले रहे हैं। भाजपा बिजनेस हाउस की तरह कार्य कर रही है। जिसके कारण भाजपा मतदाताओं की अपेक्षा में खरी नहीं उतर पा रही हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

तेल-तिलहन बाजार में गिरावट का रुख रहा

नई दिल्ली ।

दिल्ली तेल-तिलहन बाजार में शे निवार को ज्यादातर तेल-तिलहन कीमतों में गिरावट का रुख रहा। सरसों तिलहन, मूंगफली तेल तिलहन, सोयाबीन तिलहन तथा सोयाबीन दिल्ली एवं सोयाबीन इंदौर तेल और बिनौला तेल के भाव गिरावट के साथ बंद हुए। दूसरी ओर सस्ते आयातित तेलों की वजह से कमजोर मांग के बीच सरसों तेल, सोयाबीन डीगम तेल, कच्चा पामतेल (सीपीओ) और पामोलीन तेल की कीमतें पूर्वस्तर पर बनी रहीं। बाजार के जानकार सूत्रों ने बताया कि नवंबर 2021 से अप्रैल 2022 तक के छह महीनों में देश में खाद्य तेलों का आयात 67.07 लाख टन था। यह आंकड़ा नवंबर 2022 से अप्रैल 2023 तक रिकॉर्ड बढ़त के साथ लगभग 81.1 लाख टन हो गया। इसकी मुख्य वजह, सूरजमुखी तेल के दाम में भारी गिरावट आना है। दूसरी ओर सूरजमुखी तेल से महंगा होने की वजह से मांग कमजोर रहने के कारण कच्चा पामतेल (सीपीओ) और पामोलीन तेल का आयात अप्रैल में अपने पिछले महीने के मुकाबले लगभग 31 प्रतिशत घटा है। आगे इस तेल में और गिरावट संभव है। सबसे सस्ता खाद्यतेल होने के कारण मार्च 2023 के मुकाबले अप्रैल में सूरजमुखी तेल (सॉफ्ट आयल) का आयात लगभग 68 प्रतिशत बढ़ा है। यह आयात ऐसे समय बढ़ा जब देश में सरसों की फसल तैयार हो गई थी। तेल-तिलहन की कीमतें शे निवार को इस प्रकार रहीं- सरसों तिलहन 4,915-5,015 (42 प्रतिशत कंडीशन का भाव) रुपए प्रति क्विंटल, मूंगफली 6,640-6,700 रुपए प्रति क्विंटल, मूंगफली तेल मिल डिलिवरी (गुजरात) 16,460 रुपए प्रति क्विंटल, मूंगफली रिफाइंड तेल 2,475-2,740 रुपए प्रति टिन, सरसों तेल दादरी 9,250 रुपए प्रति क्विंटल, सरसों पक्की घानी 1,585-1,665 रुपए प्रति टिन, सरसों कच्ची घानी 1,585-1,695 रुपए प्रति टिन, तिल तेल मिल डिलिवरी 18,900-21,000 रुपए प्रति क्विंटल, सोयाबीन तेल मिल डिलिवरी दिल्ली 10,240 रुपए प्रति क्विंटल, सोयाबीन मिल डिलिवरी इंदौर 10,130 रुपए प्रति क्विंटल, सोयाबीन तेल डीगम, कांडला 8,550 रुपए प्रति क्विंटल, सीपीओ एक्स-कांडला 8,850 रुपए प्रति क्विंटल, बिनौला मिल डिलिवरी (हरियाणा) 8,850 रुपए प्रति क्विंटल, पामोलिन आरबीडी, दिल्ली- 10,150 रुपए प्रति क्विंटल, पामोलिन एक्स- कांडला- 9,200 रुपए (बिना जीएसटी के) प्रति क्विंटल, सोयाबीन दाना 5,325-5,375 रुपए प्रति क्विंटल, सोयाबीन लूज 5,075-5,155 रुपए प्रति क्विंटल और मक्का खल (सरिस्का) 4,010 रुपए प्रति क्विंटल।

अदाणी ट्रांसमिशन को बोर्ड ने दी बाजार से एक अरब डॉलर जुटाने की मंजूरी

नई दिल्ली । अदाणी समूह की ट्रांसमिशन कंपनी को इसके बोर्ड ने बाजार से एक अरब डॉलर (85 अरब रुपए) जुटाने की मंजूरी दी है। इस संबंध में कंपनी ने कहा थाे कि अदाणी ट्रांसमिशन योग्य संस्थागत क्रेताओं (क्यूआईबी) व दूसरे मान्य तरीकों से इक्विटी शेयर बेचकर धन जुटाने की योजना बना रहा है। इसके साथ ही कंपनी के प्रवक्ता ने बताया कि समूह की प्रमुख कंपनी अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड और इसकी नवीकरणीय-ऊर्जा शाखा अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड को भी धन जुटाने के प्रस्तावों पर विचार करने के लिए शनिवार को बोर्ड की बैठक आयोजित करनी थी, लेकिन ये बैठकें फिलहाल 24 मई तक स्थगित कर दी गई हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक तीनों कंपनियों के जरिये अदाणी समूह कुल 5 अरब डॉलर जुटाना चाहता है। जनवरी में अदाणी समूह के खिलाफ अमेरिकी शॉर्ट सेलिंग कंपनी हिंडनबर्ग ने कई तरह के आरोप लगाए थे, जिसके बाद समूह की तमाम कंपनियों के शेयरों के मूल्यों में भारी गिरावट आई थी। अदाणी समूह ने हिंडनबर्ग के सभी आरोपों को खारिज कर मुकदमा दायर करने की चेतावनी दी थी। फिलहाल, इस मामले में जहां बाजार नियामक सेबी जांच कर रहा है, वहीं सुप्रीम कोर्ट ने भी एक विशेषज्ञ समूह को जांच का आदेश दिया है। इस सबके बीच अदाणी समूह के लिए मॉरिशस से अच्छी खबर यह आई कि वहां के वित्त मंत्री महेन कुमार सीरुत्तन ने अदाणी समूह पर हिंडनबर्ग की तरफ से लगाए आरोपों को खारिज कर दिया। जनवरी में हिंडनबर्ग ने आरोप लगाया था कि अदाणी समूह की मॉरिशस में 38 शेल कंपनियां है, जिनका नियंत्रण गौतम अदाणी के भाई विनोद अदाणी के हाथों में है।

फोल्डेबल फोन बाजार में सैमसंग को प्रतिस्पर्धा का करना पड़ रहा सामना

- गूगल ने कहा कि फोन अभी प्रीऑर्डर के लिए उपलब्ध है और अगले महीने शिपिंग शुरू कर देगा

सियोल । दक्षिण कोरियाई टेक दिग्गज अपने सबसे गंभीर प्रतियोगी गूगल का सामना कर रही है। कंपनी ने इस सप्ताह अपने वार्षिक डेवलपर सम्मेलन के दौरान बहुप्रतीक्षित पिक्सेल फोल्ड, अपना पहला फोल्डेबल स्मार्टफोन पेश किया। गूगल ने कहा कि फोन अभी प्रीऑर्डर के लिए उपलब्ध है और अगले महीने शिपिंग शुरू कर देगा। 1,799 डॉलर पिक्सेल फोल्ड की सबसे बड़ी अपील इसकी मोटाई है। एक रिपोर्ट के अनुसार सैमसंग के गैलेक्सी जेड फोल्ड 4ः12.1 मिलीमीटर बनाम 15.8 मिमी की तुलना में थोड़ा पतला है। खुले होने पर 7.6 इंच की स्क्रीन के साथ फिट, फोन फोल्डेबल में अब तक की सबसे बड़ी 4,821 एमएएच बैटरी के साथ आता है, जो सैमसंग की 4,400 एमएएच बैटरी से बड़ी है। तो यह स्वाभाविक रूप से सैमसंग के फोन से थोड़ा भारी हैः 283 ग्राम बनाम 263 ग्राम। जबकि सैमसंग फोल्डेबल सेगमेंट में एक कठिन दौड़ का सामना कर रही है, अधिक प्रतिस्पर्धा का अर्थ एक बड़ा और अधिक रचनात्मक पारिस्थितिकी तंत्र और व्यापक बाजार को अपनाना भी है। अपने पहले फोल्डेबल फोन के लिए गूगल ने पिक्सल के बड़े डिस्प्ले के लिए अपने स्वयं के 50 से अधिक एप्लिकेशन को अनुकूलित किया। इसने अन्य ऐप डेवलपर्स को भी ऐसा करने के लिए प्रोत्साहित करने के प्रयासों के तहत उस मोर्चे पर अपने प्रयासों को जारी रखने का भी वादा किया। सैमसंग का लक्ष्य फोल्डेबल फोन के हिस्से को बढ़ाना है, जिसे पहली बार 2019 में पेश किया गया था, 2025 तक इसकी कुल स्मार्टफोन बिक्री का आधा हिस्सा, और उन्हें गैलेक्सी एस फ्लैगशिप सीरीज और प्रीमियम सेगमेंट में एक प्रमुख श्रेणी के साथ कंपनी का एक और स्तंभ बनाना है। बाजार विशेषज्ञों के मुताबिक पिछले साल दुनिया भर में फोल्डेबल फोन की बिक्री में सैमसंग की हिस्सेदारी करीब 77 फीसदी रही। पिछले साल 4 सितंबर को, कंपनी द्वारा अपने चौथी पीढ़ी के फोल्डेबल फोन का अनावरण करने के कुछ ही दिनों बाद सैमसंग ने कहा कि एक सफल फोल्डेबल फोन के लिए दो मुख्य तत्वों की जरूरत होती है एक लचीला और फोल्डेबल डिस्प्ले और फोल्डिंग और अनफोल्डिंग ऑपरेशंस के लिए एक मजबूत हिंज। यूरोप के सबसे बड़े टेक शो के मौके पर बर्लिन में एक प्रेस ब्रीफिंग के दौरान सैमसंग के मोबाइल एक्सपीरियंस डिवीजन में फ्लैगशिप प्रोडक्ट आरएंडडी टीम के प्रमुख चोई वोन-जून ने कहा कि फोल्डेबल फोन सिर्फ नए फॉर्म फैक्टर और तकनीकी उन्नति के बारे में नहीं हैं।

फियो, ईपीसी में चुनाव दिशानिर्देशों की समीक्षा कर रहा है वाणिज्य मंत्रालय

नई दिल्ली । वाणिज्य मंत्रालय ने निर्यात संवर्धन परिषदों (ईपीसी) और निर्यातकों के शीर्ष निकाय फियो के पदाधिकारियों के चुनाव के लिए पात्रता मानदंड की समीक्षा करने का फैसला किया है। इसके पीछे मकसद उन्हें अधिक समावेशी और प्रतिनिधित्व करने वाला बनाना है। एक कार्यालय ज्ञापन के अनुसार, मौजूदा दिशानिर्देशों की समीक्षा करने और प्रबंध समिति और अन्य पदों पर विभिन्न हितधारकों के प्रतिनिधित्व के बारे में उपयुक्त सिफारिशें देने के लिए एक तीन सदस्यीय पैनल का गठन किया गया है। पैनल को इस प्रक्रिया को पूरा करने और अपनी सिफारिशें देने में करीब दो माह का समय लगेगा। ज्ञापन में कहा गया है कि इन सिफारिशों के आधार पर मौजूदा दिशानिर्देशों में संशोधन होने तक निर्यात संवर्धन परिषदों (ईपीसी) और भारतीय निर्यात संघों के महासंघ (फियो) के चुनाव को रोक दिया जाए। इनमें वे चुनाव भी शामिल हैं जिनके नतीजों की तत्काल घोषणा नहीं हुई है। फियो मार्च में पहले ही अपने उपाध्यक्ष का चुनाव चुका है। इसी साल अध्यक्ष पद के लिए चुनाव होना था। विभिन्न निर्यात संवर्धन परिषदों में ईईपीसी इंडिया, ईओयू और एसईजेड के लिए निर्यात संवर्धन परिषद, परियोजना ईपीसी, मूल रसायन, सौंदर्य प्रसाधन और डाई निर्यात संवर्धन परिषद, रसायन और संबद्ध उत्पाद निर्यात संवर्धन परिषद (सीएपीईएक्सआईएल), चमड़ा निर्यात परिषद, खेल सामान निर्यात संवर्धन परिषद और रत्न एवं आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद शामिल हैं। फियो के पूर्व अध्यक्ष एससी रल्हन ने इस कवायद पर टिप्पणी करते हुए कहा कि मौजूदा दिशानिर्देशों में कोई बड़ा बदलाव नहीं होना चाहिए।

आईएमएफ ने सफल बेलआउट समीक्षा के लिए पाकिस्तान से कहा- पहले आठ अरब डालर जुटाए सरकार

- वित्त मंत्री इशाक डार ने कहा, पाकिस्तान अब आईएमएफ की मांग पर कड़े फैसले नहीं लेगा

इस्लामाबाद ।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने पाकिस्तान से लंबे समय से रुके हुए नौवें समीक्षा बेलआउट पैकेज को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए अगले सात महीनों के दौरान बाहरी ऋण चुकौती वापस करने के लिए नए ऋणों में 8 बिलियन अमेरिकी डालर की व्यवस्था करने को कहा है। आईएमएफ की मांग सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से पुष्टि प्राप्त करने के बावजूद 6.5 बिलियन अमेरिकी डालर के बेलआउट पैकेज के पुनरुद्धार की संभावना को और कम कर रही है। 6.5 बिलियन अमेरिकी डालर के आईएमएफ पैकेज में से 1.1 बिलियन अमेरिकी डालर की किश्त जारी करने के लिए एक कर्मचारी-स्तरीय समझौता नवंबर से लंबित है। वित्त वर्ष 2023-24 के लिए आगामी बजट पर इसकी मंजूरी लेने की आईएमएफ की मांग भी अभी तक पूरी नहीं हुई है। सरकार के अनुसार विस्तारित फंड सुविधा (ईएफएफ) की लंबित 9वीं समीक्षा के जल्द पूरा होने की संभावनाओं को और कम कर दिया गया है। सूत्रों का कहना है कि आईएमएफ ने मई-दिसंबर 2023 के लिए आने वाले कर्ज की चुकौती सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त वित्तपोषण की मांग को 6 बिलियन अमेरिकी डालर से 8 बिलियन अमेरिकी डालर तक बढ़ा दिया है।

ऋणदाता ने इस अवधि के लिए सभी अनुमानित प्रवाह और बहिर्वाह पर विचार करके 8 बिलियन अमेरिकी डालर की जरूरतों को पूरा किया है। इस बीच वित्त मंत्री इशाक डार ने कहा कि पाकिस्तान अब अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की मांग पर कड़े फैसले नहीं लेगा। हमने पहले ही आईएमएफ की पूर्व-शर्तें लागू कर दी हैं। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि यह पूरी तरह से आईएमएफ पर निर्भर करता है कि वह स्टाफ स्तर के समझौते पर हस्ताक्षर करता है या नहीं। एक रिपोर्ट के अनुसार आईएमएफ का ध्यान अब यह सुनिश्चित करने पर अधिक है कि पाकिस्तान बाहरी ऋण चुकौती की सीमा तक धन की व्यवस्था करके चूक न करे। वह अब बेहद कम बचे विदेशी मुद्रा भंडार को बढ़ाने पर जोर नहीं दे रहा है। हाल ही में एक प्रेस कान्फ्रेंस में आईएमएफ प्रवक्ता जूली कोजैक ने कहा कि नौवीं समीक्षा को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए पाकिस्तान को महत्वपूर्ण अतिरिक्त वित्तपोषण की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था मंदी का सामना कर रही है। इसकी बहुत बड़ी वित्तीय जरूरतें हैं। यह भीषण बाढ़ सहित कई झटकों से भी प्रभावित हुई है।

अडानी ग्रुप की तीन कंपनियों को 15 मई से एएसएम फ्रेमवर्क से हटा दिया जाएगा

नई दिल्ली ।

बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ने अडानी ग्रुप की तीन कंपनियों अडानी टोटल गैस लिमिटेड, अडानी ट्रांसमिशन लिमिटेड और अडानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड को एडिशनल सर्विलांस मैसर्स (एएसएम) से हटाने की घोषणा की है। स्टॉक एक्सचेंज ने कहा कि अडानी ग्रुप की इन तीन कंपनियों को 15 मई से एएसएम फ्रेमवर्क से हटा दिया जाएगा। दोनों एक्सचेंजों ने 24 मार्च को अडानी टोटल गैस और अडानी ट्रांसमिशन को लॉन्ग टर्म एडिशनल सर्विलांस मैसर्स के फ्रेमवर्क के दूसरे चरण से पहले चरण में ट्रांसफर कर दिया था। अडानी ट्रांसमिशन ने कहा कि उसके बोर्ड ने बाजार से 8,500 करोड़ रुपए तक जुटाने की योजना को मंजूरी दे दी है। बीएसई और एनएसई की वेबसाइट पर उपलब्ध दो अलग-अलग सर्कुलर के मुताबिक स्टॉक्स को 15 मई को एएसएम फ्रेमवर्क से हटा दिया जाएगा।

एमएससीआई ने गुरुवार को कहा था कि अडानी समूह की दो कंपनियां, अडानी टोटल गैस और अडानी ट्रांसमिशन, 31 मई को एमएससीआई इंडिया इंडेक्स छोड़ देंगी। हिंडनबर्ग की रिपोर्ट ने अडानी ग्रुप को जोरदार झटका दिया था और समूह की कंपनियों के शेयर 50 फीसदी से अधिक टूट गए थे। हिंडनबर्ग ने अपनी रिपोर्ट में अडानी ग्रुप की कंपनियों के शेयरों को ओवर वैल्यूड बताया था और अकाउंट फॉड के आरोप लगाए थे। हालांकि अडानी ग्रुप ने हिंडनबर्ग के सभी आरोपों को खारिज कर दिया था। सेबी अभी इस मामले की जांच कर रहा है।

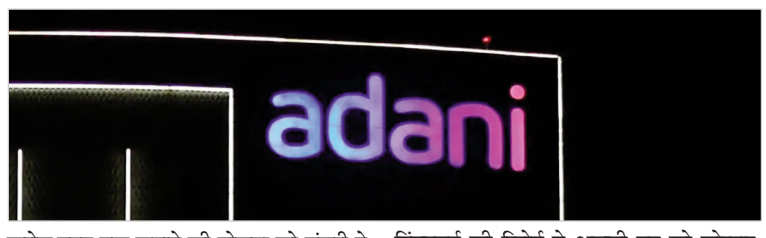

मारुति सुजुकी करेंगी भारी भरकम निवेश

नई दिल्ली । भारतीय बाज़ार में अपनी पकड़ को मज़बूत बनाने के लिए मारुति सुजुकी 5.5 बिलियन डॉलर का निवेश करेगी। मारुति सुजुकी निर्माता इस निवेश के माध्यम से इस दशक के अंत तक प्रोडक्शन को दोगुना करने वाली है। देश की सबसे बड़ी कार निर्माता 2 नई सुविधाओं में 250,000 इकाइयों का सालाना प्रोडक्शन करने वाली 8 असेंबली लाइनों को चालू करने के लिए लगभग 45,000 करोड़ रुपये का निवेश कर सकती है। मारुति सुजुकी के चेयरमैन आरसी भार्गव ने बताया कि कंपनी को खरखौदा में 10 लाख यूनिट तक की कैपेसिटी बढ़ाने की मंजूरी मिल गई है और नई साइट पर 10 लाख यूनिट की और मंजूरी मिल गई है, जिसे अभी फाइनल किया जाना बाकी है।

(शेयर बाजार समीक्षा) वैश्विक रुख और कंपनी परिणामों से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

- अमेरिका के बाजार का रुझान और विदेशी कोषों का प्रवाह बाजार की दृष्टि से महत्वपूर्ण रहेगा

मुंबई । इस सप्ताह शेयर बाजारों की दिशा मुद्रास्फीति के आंकड़ों, वैश्विक रुख और कंपनियों के चौथी तिमाही के परिणामों से तय होगी। विश्लेषकों ने यह बात कही है। सबसे पहले बाजार शुक्रवार को जारी हुए औद्योगिक उत्पादन (आईआईपी) और उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़ों पर प्रतिक्रिया देगा। एक बाजार `` विशेषज्ञ ने कहाे कि बाजार भागीदार सबसे पहले शुक्रवार को कारोबारी घंटों के बाद जारी हुए आईआईपी और सीपीआई के आंकड़ों पर प्रतिक्रिया देंगे। थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति का आंकड़ा 15 मई को आएगा। वृहद आर्थिक आंकड़ों के अलावा वैश्विक रुख विशेष रूप से अमेरिका के बाजार का रुझान और विदेशी कोषों का प्रवाह बाजार की दृष्टि से महत्वपूर्ण रहेगा। अप्रैल में खुदरा मुद्रास्फीति घटकर 18 महीने के निचले स्तर 4.7 प्रतिशत पर आ गई है। इसका मुख्य कारण सब्जियों, तेल और वसा की गिरती कीमतें थीं। अब यह भारतीय रिजर्व बैंक के चार प्रतिशत के लक्ष्य के करीब है। शुक्रवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार मुख्य रूप से बिजली और विनिर्माण क्षेत्रों के खराब प्रदर्शन के कारण भारत की औद्योगिक उत्पादन वृद्धि फरवरी, 2023 के 5.8 प्रतिशत से मार्च में पांच महीने के निचले स्तर 1.1 प्रतिशत पर आ गई।

उन्होंने`` कहा` कि सप्ताह भारती एयरटेल, भारतीय स्टेट बैंक, आईटीसी, इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी), जेएसडब्ल्यू स्टील और गेल जैसी बड़ी कंपनियां अपने तिमाही नतीजों की घोषणा करेंगी। कांग्रेस 10 साल बाद कर्नाटक में अपने दम पर सत्ता में लौटी है। शनिवार को आए चुनावी नतीजों के अनुसार, कांग्रेस ने भाजपा को दक्षिणी के एकमात्र राज्य की सत्ता से भी बाहर कर दिया है। बाजार के जानकार कहते हैं कि कर्नाटक के नतीजों से बाजार पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। लेकिन यहां यह भी महत्वपूर्ण है कि निवेशक पहले ही इस परिणाम को स्वीकार कर चुके हैं। ऐसे में इससे बाजार पर खास असर पड़ने की संभावना नहीं है।

बिहार में पेट्रोल-डीजल महंगा, उत्तर प्रदेश में भी बढ़े भाव

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमत में रे विवार को कोई बदलाव नहीं किया गया है। डब्ल्यूटीआई क्रूड 70.04 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। वहीं 74.17 डॉलर पर बिक रहा है। देश में तेल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल के ताजा भाव जारी कर दिए हैं। भारत में हर सुबह 6 बजे ईंधन के दामों में संशोधन किया जाता है। जून 2017 से पहले कीमतों में संशोधन हर 15 दिन के बाद किया जाता था। बिहार में पेट्रोल 43 पैसे और डीजल 40 पैसे महंगा हो गया है। इसी तरह पश्चिम बंगाल में पेट्रोल की कीमत 46 पैसे और डीजल का दाम 43 पैसे बढ़ गया है। महाराष्ट्र में पेट्रोल-डीजल क्रमशः 20 और 21 पैसे महंगा हुआ है।

इसके अलावा उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु और पंजाब में भी पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़े हैं। दूसरी ओर हिमाचल प्रदेश में पेट्रोल 88 पैसे और डीजल 78 पैसे सस्ता हो गया है। मध्य प्रदेश में भी पेट्रोल की कीमत 38 पैसे और डीजल की कीमत 36 पैसे घट गई है। चेन्नई में भी पेट्रोल-डीजल क्रमशः 10 और 9 पैसे सस्ता हुआ है।

दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.76 रुपए और डीजल 89.93 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में पेट्रोल 96.26 रुपए और डीजल 89.45 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.62 रुपए और डीजल 89.81 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.24 रुपए और डीजल 94.04 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

बीते वित्त वर्ष म्युचुअल फंड कंपनियों का नई योजनाओं से कलेक्शन 42 फीसदी घटा

नई दिल्ली ।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (सेबी) की म्यूचुअल फंड कंपनियों पर नई योजनाएं (एनएफओ) लाने की रोक की वजह से बीते वित्त वर्ष 2022-23 में नई योजनाओं के जरिये जुटाई गई राशि में गिरावट देखी गई है। आंकड़ों के अनुसार बीते वित्त वर्ष में नई योजनाओं के जरिये म्यूचुअल फंड उद्योग ने 62,342 करोड़ रुपए जुटाए हैं, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 42 प्रतिशत कम है। हालांकि, 2022-23 में इससे पिछले वित्त वर्ष की तुलना में अधिक संख्या में एनएफओ लाए गए। एक कंपनी द्वारा संकलित आंकड़ों के अनुसार, 2022-23 में कुल 253 नई योजनाएं शुरू की गईं, जो 2021-22 के 176 के आंकड़े से अधिक है। उद्योग के आंकड़ों से पता चलता है कि चालू वित्त वर्ष में संपत्ति प्रबंधन कंपनियां (एएमसी) ने विभिन्न श्रेणियों में 12 एनएफओ की पेशकश की है। आंकड़ों के अनुसार पिछले वित्त वर्ष में कुल 182 ओपन- एंड और 71 क्लोज एंड योजनाओं से 62,342 करोड़ रुपए जुटाए गए। इसकी तुलना में, 2021-22 में 176 एनएफओ के जरिये 1,07,896 करोड़ रुपए की राशि जुटाई गई थी। म्यूचुअल फंड कंपनियों ने 2020-21 में 84 नई योजनाओं से 42,038 करोड़ रुपए जुटाए थे। बीते वित्त वर्ष में कई कारणों से एनएफओ संग्रह प्रभावित हुआ। इसमें एक प्रमुख वजह सेबी द्वारा नई योजनाओं की पेशकश पर तीन माह की रोक थी। इसके अलावा बेहद उतार-चढ़ाव वाले बाजार, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की निकासी और वैश्विक कारकों से भी एनएफओ में निवेश प्रभावित हुआ।

बैंकों को एनबीएफसी के कर्ज देने के तरीकों पर कड़ी नजर रखनी चाहिएः शेट्टी

मुंबई । बैंक जिन गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) को उधार देते हैं, उन्हें ऐसे एनबीएफसी के कर्ज देने के तरीकों पर कड़ी नजर रखनी चाहिए। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के प्रबंध निदेशक सीएस शेट्टी ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि एनबीएफसी और सूक्ष्मवित्त संस्थानों (एमएफआई) को बड़े बैंकों की तरह ही जोखिम मूल्यांकन और ऋण निगरानी के सिद्धांतों का पालन करना चाहिए। गौरतलब है कि बैंक एनबीएफसी या एमएफआई को उधार देते हैं और आगे कर्ज देने की व्यवस्था उनकी होती है। ये संस्थान ऋण देने के लिए अपने वितरण और संग्रह तंत्र का इस्तेमाल करते हैं। शेट्टी ने कहाे कि बैंक जिन गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) को उधार देते हैं, उन्हें ऐसे एनबीएफसी को कर्ज देने के तरीकों पर कड़ी नजर रखनी चाहिए। एनबीएफसी को बड़े बैंकों की तरह ही जोखिम मूल्यांकन और ऋण निगरानी के सिद्धांतों का पालन करना चाहिए, जिनसे वे उधार लेते हैं। उन्होंने कहा कि बैंकों के कर्ज का एक अच्छा हिस्सा एनबीएफसी और एमएफआई को दिया जाता है, इसलिए जोखिम का अच्छी तरह आकलन करना चाहिए। शेट्टी ने कहा कि एक बैंकर का काम जोखिम का आकलन करना, उसे कम करना और उसकी कीमत तय करना है। उन्होंने यह भी कहा कि एसबीआई 65,000 व्यापार प्रतिनिधि के नेटवर्क को तेजी से बढ़ाने पर विचार नहीं कर रहा है, बल्कि उन्हें अधिक सक्षम बनाने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

16 मई को लखनऊ में रहेंगे सचिन

लखनऊ । महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर 16 मई मंगलवार को लखनऊ के इकाना स्टेडियम में रहेंगे। इससे यहां के क्रिकेट प्रशंसकों में उत्साह की लहर दौड़ गये है। तेंदुलकर मुम्बई टीम के के मेंटॉर हैं और इसी लिए वह अपनी टीम को सलाह देने के लिए उसके साथ रहेंगे। इस साल आईपीएल मुकाबले के कारण लखनऊ में कई बड़े खिलाड़ियों आये हैं। इसमें पूर्व कप्तान विराट कोहली और महेंद्र सिंह भी धोनी शामिल हैं। इस मैच में मुम्बई के कप्तान रोहित भी खेलेंगे। इस मैच का कार्यक्रम जारी होने के बाद से ही इसको लेकर प्रशंसकों में जबरदस्त उत्साह है। तेंदुलकर पहले भी कई बार लखनऊ आये थे। साल 1994 में इस बल्लेबाज ने श्रीलंका के खिलाफ लखनऊ के केडी सिंह बाबू स्टेडियम में ही एक टेस्ट मुकाबला खेला था। यहां सचिन ने 22 चौकों की सहायता से शानदार 142 रन बनाये थे। वहीं अब एक बार फिर सचिन यहां आ रहे हैं पर वह इस बार वह अपनी टीम को मार्गदर्शन देते नजर आयेंगे। क्रिकेट संघ को उम्मद है कि तेंदुलकर और रोहित शर्मा को देखने के लिए इकाना स्टेडियम भरा रहेगा। इस मैच में सुरक्षा के भी कड़े इंतजाम रहेंगे जिससे कोई इनके पास न पहुंच सके।

आईपीएल में आज गुजरात टाइटंस और सनराइजर्स हैदराबाद का होगा मुकाबला

अहमदाबाद ।

आईपीएल में सोमवार को गुजरात टाइटंस की टीम अपने घरेलू मैदान पर सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करते हुए प्लेऑफ के लिए अपनी जगह पक्की करने के इरादे से उतरेगी। गुजरात को इस मैच में जीत के लिए पिछले मैच में मुम्बई इंडियस से मिली हार से उबरकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। उसके पास इस मैच में जीत का अच्छा अवसर है क्योंकि उसे अपने घरेलू मैदान का लाभ मिलेगा। गुजरात अबतक 12 मैचों में 16 अंक लेकर अंक तालिका में शीर्ष पर कायम है। ऐसे में उसे प्लेऑफ के लिए एक मैच में ही जीत चाहिये। वहीं दूसरी ओर विरोधी टीम सनराइजर्स के आठ अंक है उसकी इस टूर्नामेंट में सभी संभावनाएं समाप्त हो गयी हैं, ऐसे में वह इस मैच में बेहतर प्रदर्शन कर लय हासिल करना चाहेगी। गुजरात की टीम को इस मैच में जीत के लिए अपनी बल्लेबाजी में सुधार करना होगा। मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैच में राशिद खान के अलावा अन्य खिलाड़ी नाकाम रहे थे। राशिद ने ही बल्ले और गेंद दोनों से अच्छा प्रदर्शन किया था। उसके गेंदबाज मुम्बई के बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव के खिलाफ बेबस नजर आये थे।

कप्तान हार्दिक पंड्या ने भी हार के बाद कहा था,'' हम एक टीम के रूप में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए। हमारी गेंदबाजी भी अच्छी नहीं रही। हमारी या तो स्पष्ट रणनीति नहीं थी या फिर हम उस पर अमल नहीं कर पाए। बल्लेबाजी में शीर्ष क्रम के बल्लेबाज नहीं चल पाए और राशिद की अर्धशतकीय पारी के बाद भी टीम को इस मैच में हार का सामना करना पड़ा था। इस स्पिनर ने गेंदबाजी में भी अच्छा प्रदर्शन किया था। वहीं अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी भी उस मैच में विफल रहे थे पर वह नई गेंद से कमाल दिखाने के लिए फिर से तैयार होंगे। मोहित शर्मा को पूर्व के मैचों में बीच के ओवरों में उपयोग किया गया था पर मुंबई के खिलाफ उन्हें नई गेंद सौंपी गई थी।

गुजरात का यह प्रयोग नहीं चल पाया था। वहीं दूसरी ओर सनराइजर्स की टीम बेहद खराब हाल में है उसे अपने बाकी बचे तीनों मैच जीतने के अलावा अन्य टीमों के परिणामों पर भी नजर रखनी होगी। सनराइजर्स की टीम अपनी गलतियों से ही ऐसी परिस्थिति में पहुंची है। लखनऊ सुपरजाइंट्स के खिलाफ एक समय वह जीत रही थी पर उसके गेंदबाज अंतिम छह ओवरों में रनों पर अंकुश नहीं लगा पाये और उन्होंने 80 रन दे दिये। लखनऊ की तरफ से निकोलस पूरन ने मैच का रुख पलटा था। शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों की विफलता और प्रमुख गेंदबाजों के नहीं चल पाने से सनराइजर्स को इस सत्र में परेशानी हुई है।

शीर्ष क्रम में मयंक अग्रवाल की जगह अनमोलप्रीत सिंह को रखा गया पर वह भी प्रभावित नहीं कर पाये। राहुल त्रिपाठी की नाकामी भी टीम के लिए नुकसानदेह रही। उन्होंने अब तक 11 मैचों में केवल 199 रन बनाए हैं। कप्तान एडेन मार्करम भी टीम को प्रेरित नहीं कर पाये। उन्होंने हालांकि 10 मैचों में 207 रन बनाए हैं। टीम के अन्य बल्लेबाज विफल रहे। गेंदबाजों का हार भी अच्छा नहीं रहा है और कोई भी अब तक प्रभावित नहीं कर पाया है। भुवनेश्वर कुमार, टी. नटराजन सभी बल्लेबाजों पर अंकुश नहीं लगा पाये।

प्लेऑफ में जगह बनाने वाली पहली टीम बन सकती है गुजरात

नई दिल्ली । आईपीएल के 16 वें सत्र में सभी टीमों ने अब 11 मैच खेल लिए हैं। ऐसे में प्लेऑफ की भी तस्वीर सामने आने लगी है। पंजाब किंग्स के खिलाफ हार के साथ ही दिल्ली कैपिटल्स प्लेऑफ की रेस से बाहर होने वाली पहली टीम बनी है। अभी तक कोई भी टीम प्लेऑफ में नहीं पहुंच पायी है। इसके लिए नौ टीमें दौड़ में हैं। जिसमें गुजरात अंक तालिका में सबसे ऊपर आने के साथ ही प्लेऑफ में जगह बनाने के करीब है। टीम के अभी 12 मैचों में 16 अंक हैं। उसे प्लेऑफ में जगह पक्की करने के लिए केवल एक जीत चाहिये। वहीं दूसरी बड़ी दावेदार चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के ने 12 मैचों में 15 अंक हैं और वह दूसरे स्थान पर है। प्लेऑफ में पहुंचने के लिए सीएसके को दो में से किसी एक मैच को जीतना होगा। वहीं तीसरी टीम मुंबई इंडियंस भी 14 अंकों के साथ फिलहाल तीसरे पायदान पर है। आसानी से प्लेऑफ में पहुंचने के लिए मुंबई इंडियंस को बाकी दो मैच जीतने होंगे। वह 16 अंकों के साथ भी प्लेऑफ में जगह बना सकती है पर इसके लिए उसे बाकी टीमों के नतीजों पर निर्भर रहना पड़ेगा। लखनऊ सुपर जायंट्स चौथे स्थान पर आ है। लखनऊ के 12 मैचों में 13 अंक हैं और उसे प्लेऑफ में जगह पक्की करने के लिए बाकी दो मैच जीतने होंगे। लखनऊ सुपर जायंट्स को मुंबई इंडियंस (16 मई) और कोलकाता नाइट राइडर्स (20 मई) से खेलना है। वहीं राजस्थान रॉयल्स के 12 मैचों में इतने ही अंक हैं और वह अंकतालिका में पांचवें स्थान पर है। राजस्थान को अब प्लेऑफ स्थान में जगह बनाने के लिए अपने बाकी दोनों गेम जीतने की जरूरत है। साथ ही राजस्थान को अन्य परिणामों पर भी आधारित रहना होगा। पंजाब किंग्स अंकतालिका में छठे स्थान पर आ चुकी है। पंजाब के 12 मैचों में 12 अंक हैं। प्लेऑफ में जगह बनाने की संभावनाओं के लिए पंजाब को बाकी दोनों मैच जीतने ही होंगे। साथ ही अन्य टीमों के परिणामों पर भी नजर रखनी होगी।

यशस्वी बीसीसीआई चयनकर्ता के लिए अच्छे सिरदर्द साबित होंगे : स्मिथ

नई दिल्ली । साउथ अफ्रीका के पूर्व कप्तान ग्रीम स्मिथ ने राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की मौजूदा आईपीएल 2023 में उनके शानदार प्रदर्शन की जमकर प्रशंसा की। जायसवाल के शानदार प्रदर्शन ने सभी का दिल जीत लिया है, क्योंकि उन्होंने 12 मैचों में शानदार प्रदर्शन करते हुए 52.27 औसत से 572 रन बनाए हैं। इसके अलावा जायसवाल ऑरेंज कैप हासिल करने के लिए निश्चित रूप से रेस में है। उनकी प्रभावशाली पारियों से खुश होकर, ग्रीम स्मिथ ने कहा कि जायसवाल, इशान किशन और शुभमन गिल की पसंद को छोड़कर, युवा प्रतिभाओं का चयन करने के मामले में बीसीसीआई के लिए सिरदर्द होगा। स्मिथ ने कहा, चयन के मामले में जायसवाल निश्चित रूप से दरवाजे पर दस्तक दे रहे हैं। फिलहाल वह इतना ही कर सकते हैं। उन्होंने उस पर काबू पा लिया है। भारतीय क्रिकेट को रोहित शर्मा, विराट कोहली और केएल राहुल के रूप में सीनियर क्रिकेटरों जैसे कई विकल्प मिले हैं, जो अब चोटिल हैं। आपके पास ईशान किशन और शुभमन गिल भी हैं। चयनकर्ताओं के पास निश्चित रूप से कुछ अच्छे सिरदर्द हैं, लेकिन यशस्वी ने निश्चित रूप से चयनकर्ताओं की चर्चा में अपना नाम रखा है।जायसवाल ने केकेआर के खिलाफ अपने सबसे हालिया मैच में 47 गेंदों में नाबाद 98 रन की तूफानी पारी खेली, जिसमें 12 चौके और पांच छक्के शामिल थे। स्मिथ ने कहा कि जायसवाल ने पिछले आईपीएल सीजन के हिसाब से इस बार महत्वपूर्ण प्रगति की है। स्मिथ ने कहा, ठीक है, वह अविश्वसनीय रहा है। मैंने उसके कुछ घरेलू प्रदर्शन देखे हैं जो वास्तव में अच्छे रहे हैं। आप आईपीएल के पिछले सीजन से उसके खेल में वृद्धि भी देख सकते हैं।

धोनी अभी खेलते रहें : हरभजन

मिताली ने भी प्रेरणादायी कप्तान बताया

चेन्नई ।

टीम इंडिया के पूर्व दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा है कि महेन्द्र सिंह धोनी को अभी आईपीएल में खेलते रहना चाहिये। हरभजन के अनुसार धोनी से प्रशंसकों की उम्मीदें जुड़ी हुई हैं। साथ ही कहा कि अभी उनमें काफी क्रिकेट बचा है। इससे पहले भी कई पूर्व क्रिकेटरों माइकल वॉन , सुरेश रैना आदि ने कहा था कि धोनी की फिटनेस अभी काफी अच्छी है और इसलिए उन्हें खेलते रहना चाहिये। धोनी ने इस सत्र में अब तक 204.25 के शानदार स्ट्राइक रेट के साथ 12 मैचों में 96 रन बनाए हैं।

हरभजन ने कहा, धोनी ने समय रोक दिया है। वह अभी भी वही पुराने धोनी लगते हैं। वह बड़े शॉट्स को आसानी से खेल रहे हैं। वह आसानी से छक्के लगाते हुए बल्लेबाजी में खतरनाक दिख रहे हैं। साथ ही कहा कि धोनी हमारी भावनाओं को ठेस नहीं पहुंचाएं और खेलते रहे। वहीं भारतीय टीम की पूर्व क्रिकेटर मिताली राज ने भी कहा कि धोनी जिस प्रकार बाहर की बातों पर ध्यान दिये बिना सीएसके टीम की सहायता कर रहे हैं वह प्रेरणादायी है।

मिताली ने कहा, जब कोई खिलाड़ी अपने करियर के अंतिम छोर पर पहुंचता है तो बहुत सारी बातें होती हैं। धोनी ने इस प्रकार की बातों पर ध्यान न देते हुए अपनी टीम का मार्गदर्शन किया। उन्होंने सीएसके को अब तक शीर्ष दो स्थानों की तलाश में रहने में सहायता की है। उनकी कप्तानी, बल्कि उनके द्वारा बनाई गई मैदानी रणनीतियों ने सीएसके को अच्छा प्रदर्शन करने में मदद की है। मिताली ने कहा, टूर्नामेंट में उन्होंने कई स्मार्ट चालें चलीं हैं। अजिंक्य रहाणे का चयन यह साबित करता है।

संक्षिप्त समाचार

कैंसर से पीड़ित हैं जिम्बाब्वे के पूर्व कप्तान स्ट्रीक

हरारे । जिम्बाब्वे के दिग्गज खिलाड़ी और पूर्व कप्तान हीथ स्ट्रीक आजकल गंभीर रुप से बीमार है और जिंदगी की जंग लड़ रहे हैं। स्ट्रीक कोलन और लिवर कैंसर से पीड़ित हैं। 49 साल के स्ट्रीक को लीवर में लेवल-4 का कैंसर हुआ है जिससे उनकी हालत गंभीर हो रही है। स्ट्रीक को लेकर आई इस खबर से खेल जगत चिन्तित है और सभी ने उनके ठीक होने की कामना की है। 1993 में अपने इंटरनेशनल करियर की शुरुआत करने वाले स्ट्रीक अपने दौर के सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर्स में शामिल थे। बाद में वह इंडियन प्रीमियर लीग में कोलकाता नाइटराइडर्स और गुजरात लायंस जैसी टीमों के कोचिंग स्टाफ का भी शामिल रहे थे। वह बांग्लादेश और जिम्बाब्वे के भी कोच रहे थे। जिम्बाब्वे के खेलमंत्री ने ट्वीट किया, स्ट्रीक अपने जीवन के आखिरी पड़ाव पर है। परिवार यूके से दक्षिण अफ्रीका जा रहा है। लगता है कि अब कोई चमत्कार ही उन्हें बचा पाएगा। दुआएं जारी हैं। इसके बाद परिवार की ओर से भी एक बयान जारी किया गया, हीथ को कैंसर है और सबसे अच्छे विशेषज्ञ उनका इलाज कर रहे हैं। हम उम्मीद करते हैं कि यह एक निजी पारिवारिक मामला बना रहे, और आपकी प्रार्थनाओं और शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद। इस समय उनके स्वास्थ्य के बारे में कोई और आधिकारिक बयान नहीं दिया जाएगा। कृपया अफवाहों पर ध्यान दें। जिम्बाब्वे क्रिकेट के सुनहरे दौर में स्ट्रीक ने अपनी कप्तानी में टीम को कई यादगार मैच भी जिताए। वहीं दाएं हाथ से तेज गेंदबाजी के साथ-साथ वह निचले ऑर्डर में आकर तेजी से रन भी बनाते थे। 1993 से 2005 के बीच हीथ स्ट्रीक ने कुल 65 टेस्ट और 189 एकदिवसीय मैच खेले। दाएं हाथ के बल्लेबाज ने 1990 रन बनाए और रेड-बॉल क्रिकेट में 216 विकेट लिए । एकदिवसीय में स्ट्रीक ने 2943 रन बनाए और 239 बल्लेबाजों को आउट किया। उन्होंने 21 टेस्ट और 68 एकदिवसीय मैच में कप्तानी की।

वॉर्नर ने सहवाग का रिकॉर्ड तोड़ा

नई दिल्ली । दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान डेविड वॉर्नर ने पंजाब किंग्स के खिलाफ मुकाबले में एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। वॉर्नर ने इस मैच में 54 रनों की अपनी पारी के दौरान ही दिल्ली की टीम के पूर्व कप्तान वीरेंद्र सहवाग को पीछे छोड़ दिया है। पंजाब के खिलाफ आईपीएल मैच में 26 वां रन बनाते ही वार्नर दिल्ली के फिरोजशाह कोटला मैदान पर सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने इसी के साथ ही सहवाग को पीछे छोड़ दिया है। वॉर्नर के पास अब 1000 रनों का आंकड़ा पूरा करने का अवसर है। सहवाग ने दिल्ली के मैदान पर 33 पारियों में 933 रन बनाए थे जबकि वॉर्नर ने 34वीं पारी में ही उन्हे पीछे छोड़ दिया। अब वॉर्नर के नाम इस स्टेडियम में 961 हो गई है। इस सूची में तीसरा नाम श्रेयस अय्यर का है। अय्यर ने यहां 29 मैचों में 855 रन बनाये हैं। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत के यहां 24 पारियों में अब तक 769 रन हैं। ऋषभ कार हादसे के बाद से ही खेल से दूर हैं।

प्रभसिमरन ने पंजाब किंग्स प्रबंधन का आधार व्यक्त किया, कम उम्र में शतक लगाने वाले पांचवे खिलाड़ी बने

नई दिल्ली ।

दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ आईपीएल लीग मुकाबले में शानदार शतक लगाने वाले पंजाब किंग्स के प्रभसिमरन सिंह इसके बाद भावुक हो गये। उन्होंने अवसर और सहयोग देने के लिए पंजाब किंग्स प्रबंधन का आभार जताया है। उन्होंने कहा, मैं काफी समय से टीम के साथ हूं और ऐसे में जब लगातार अवसर मिलते हैं तो हमें उसका लाभ उठाना चाहिये। साथ ही कहा कि शुरुआत में विकेट थोड़ा कठिन था पर हमारी योजना कुछ साझेदारी बनाने और उसके बाद आक्रामक खेलने की थी जिसमें बाद में हमें सफलता मिली। मैं अनुभवी खिलाड़ियों से भी बात करता हूं, जो मुझसे कहते रहते हैं कि मैं अच्छी शुरुआत का लाभ उठाते हुए खेल को आगे ले जाऊं। जिसमें मुझे अब तक सफलता मिली है। साथ ही कहा कि अवसर देने के लिए मैं प्रबंधन का आभारी हूं।

प्रभसिमरन ने इस सत्र में अब तक शानदार बल्लेबाजी करते हुए 334 रन बना लिए हैं। वह सबसे कम उम्र में शतक लगाने वाले खिलाड़ी की सूची में अब पांचवे नंबर पर आ गये हैं। इस सूची में पहले नंबर पर मनीष पांडे हैं। मनीष ने 19 साल 253 दिन की उम्र में शतक लगाया था जबकि

प्रभसिमरन ने 22 साल 276 दिन में शतक लगाया है। सबसे कम उम्र में शतक लगाने वाले अन्य बल्लेबाज हैं ऋषभ पंत 20 साल, 218 दिन में शतक, देवदत्त पडिक्कल 20 वर्ष, 289 दिन, यशस्वी जायसवाल 21 वर्ष, 123 दिन, संजू सैमसन 22 साल, 151 दिन!

65 गेंदों पर 10 चौके और 6 छक्कों की मदद से 103 रन बनाए और अपनी टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया।

वहीं दिल्ली की टीम पंजाब से मिले 168 रन के लक्ष्य को मजबूत शुरूआत के बावजूद नहीं पा सकी। लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली ने कप्तान डेविड वार्नर के 54 और सॉल्ट के 17 गेंदों पर 21 रन से तेज शुरूआत की थी पर मध्यक्रम के विफल होने से वह लक्ष्य हासिल करने में नाकाम रही।

अब युवा खिलाड़ियों को अवसर देगी दिल्ली कैपिटल्स : होप्स

नई दिल्ली ।

दिल्ली कैपिटल्स की टीम आईपीएल के 16 वें सत्र में खराब प्रदर्शन के साथ ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गयी है। पंजाब किंग्स के खिलाफ मिली हार के बाद उसकी सभी संभावनाएं समाप्त हो गयीं। ऐसे में अब टीम के तेज गेंदबाजी कोच जेम्स होप्स ने कहा है कि अंतिम मैच में युवा खिलाड़ियों को अवसर मिलेंगे। कोच के अनुसार अनुभवी खिलाड़ियों का प्रदर्शन निराशाजनक रहा है जिससे टीम इस प्रकार के खराब हाल में पहुंची है। पंजाब के सात विकेट पर 167 रन के जवाब में अच्छी शुरूआत के बावजूद दिल्ली की टीम आठ विकेट पर 136 रन ही बना पायी। टीम के छह बल्लेबाज केवल 19 रन ही बना पाये। होप्स ने मैच के बाद कहा, ''इतनी अच्छी शुरूआत के बाद बल्लेबाजों का जिस तरह से खराब प्रदर्शन रहा, उसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। कोई भी खिलाड़ी पारी संवारने की भूमिका नहीं निभा पाया। पूरे टूर्नामेंट में कुछ मैचों को छोड़कर बल्लेबाजों ने निराश किया है। दिल्ली ने युवा यश धुल और सरफराज खान को अब तक अधिक अवसर नहीं दिये थे। इन दोनो के ही अगल दो मैचों में उनके खेलने की संभावना पर होप्स ने कहा, ''चयन के मामलो पर मैं नहीं बोल सकता पर उम्मीद है कि अगले दो मैचों में युवा खिलाड़ियों को अवसर मिलेगा। हम जीत के साथ टूर्नामेंट से बाहर होना चाहेंगे। वहीं पंजाब किंग्स के स्पिन गेंदबाजी कोच सुनील जोशी ने 65 गेंद में 103 रन बनाने वाले सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह की तारीफ करते हुए कहा,''उसकी प्रतिभा की वजह से हमने उसका साथ दिया और अब मैच दर मैच उसके खेल में परिपक्वता आ रही है पर यह महज एक शुरूआत है। उन्होंने कहा, ''उसकी खूबी यह है कि वह 360 डिग्री शॉट्स खेल सकता है। अगर सलामी बल्लेबाज इस तरह मैदान के चारों ओर मार पाता है तो विरोधी गेंदबाजों पर दबाव बन जाता है। वह इससे पहले अच्छी शुरूआत को बड़ी पारी में बदल नहीं पा रहा था पर इस मैच में वह सफल हो गया । जोशी ने चार ओवर में सिर्फ 16 रन देकर चार विकेट लेने वाले स्पिनर राहुल चाहर की भी तारीफ की।

हरप्रीत से विकेट को निशाना बनाने कहा था : धवन

नई दिल्ली । पंजाब किंग्स के कप्तान शिखर धवन ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करने वाले गेंदबाज हरप्रीत बराड़ की जमकर प्रशंसा की है। धवन ने कहा कि हरप्रीत को जो सलाह उन्होंने दी थी उससे लाभ हुआ। धवन के अनुसार गेंदबाजी के दौरान उन्होंने हरप्रीत से कहा था कि गेंद को धीमी रखो, विकेट को निशाना बनाओ। उसने शानदार गेंदें करते हुए ठीक वैसे ही किया। विशेष तौर पर बाएं हाथ के बल्लेबाजों के खिलाफ उसकी गेंदबाजी शानदार रही। धवन ने कहा कि गेंदबाजों के अच्छे प्रदर्शन से ही हमारी खेल में वापसी हुई है। इसका पूरा श्रेष हमारे स्पिनरों और हमारे तेज गेंदबाजों को पूरा श्रेय जाता है। पिच चौथे ओवर से ही घूम रही थी। वहीं बल्लेबाजी के दौरान प्रभसिमरन ने काफी अच्छी पारी खेली जिससे हमारे लिए लक्ष्य तक पहुंचना आसान रहा। इस मैच में जीत से पंजाव छठे स्थान पर आ गयी है और उसकी प्लेऑफ की संभावनाएं बनी हुई हैं।

आचारसंहिता उल्लंघन के आरोप में क्लासेन पर जुर्माना, अमित को चेतावनी दी गयी

हैदराबाद ।

आईपीएल में लखनऊ सुपर जायंट्स ने सनराइजर्स हैदराबाद को तीन विकेट से हराकर शीर्ष चार टीमों में जगह बनायी है। इस मैच में आचारसंहिता उल्लंघन के मामले में लखनऊ के लेग स्पिनर अमित मिश्रा और हैदराबाद के बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन को सजा मिली है। इन दोनो पर रह ही आईपीएल आचारसंहिता उल्लंघन के आरोप लगे हैं। इसके लिए क्लासेन पर मैच फीस का 10 फीसदी जुर्माना लगाया गया है। वहीं अमित को फटकार लगायी गयी है।

हेनरिक ने आचार संहित के लेवल-1 का अपराध स्वीकार कर लिया है। इसके तहत गैरजरुरी बयानबाजी और प्रशंसकों की आलोचना को कारण माना जाता है। इसके साथ ही हेनरिक ने अंपायर के फैसले की भी आलोचना की थी। इसके लिए उनकी 10 फीसदी मैच फीस काटीम गयी थी। क्लासेन ने लखनऊ और हैदराबाद के बीच खेले गए मैच के बीच में ही कहा था कि वह प्रशंसकों के रवैये से निराश हैं और ऐसा व्यवहार मैदान में नहीं चाहते।

इस मैच में पारी के 19वें ओवर में आवेश खान की एक गेंद को मैदानी अंपायर ने नो बॉल बताया था। यह गेंद अब्दुल समद के बल्ले का अंदरूनी किनारा लेकर उनके पैर पर लगी थी। इसके बाद लखनऊ ने नो-बॉल के खिलाफ अपील की थी जिसके बाद टीवी अंपायर ने मैदानी अंपायर के फैसले को बदल दिया था।

इसी बात पर समद के साथ बल्लेबाजी कर रहे क्लासेन भड़क गए और उन्होंने इस फैसले को लगत बताया और लखनऊ के डगआउट की ओर देखकर कुछ कहा। इसी दौरान प्रशंसक भी इस विवाद में उतर गये और लखनऊ के डगआउट की तरफ प्रशंसकों ने नट बोल्ट फेंके। जिसके कारण मैच भी रोका गया। इस मैच में अमित ने जोर से गेंद जमीन पर फेंकी थी और बल्लेबाज को घूरा था। इसलिए उन्हें उन्हें चेतावनी दी गयी है पर जुर्माना नहीं लगा।

आवेश और यश ने वापसी करायी : कृणाल

हैदराबाद ।

लखनऊ सुपरजायंटस के कप्तान कृणाल पंड्या ने सनराइजर्स हैदराबाद की पारी को 200 रनों के अंदर रोकने के लिए टीम के गेंदबाजों को सराहा है। उन्होंने कहा कि जिस तरह से सनराइजर्स के बल्लेबाज खेल रहे थे उससे मुझे लग रहा था कि वे करीब 200 रन बना लेंगे पर अंतिम ओवरों में आवेश खान और यश ठाकुर ने अच्छी गेंदबाजी कर मैच में हमारी वापसी करायी। इसके साथ ही जिस प्रकार बल्लेबाज निकोलस पूरन ने स्पिनर अभिषेक शर्मा की गेंदों पर हमला बोलते हुए एक ही ओवर में तीन छक्के लगाकार 31 रन बनाये उससे मैच लखनऊ के हाथ में आ गया। इस मैच में जीत के लिए लखनऊ को 183 रनों का लक्ष्य मिला था। इसके अलावा प्रेरक मांकड़ ने 45 गेंद में 64 रन की पारी खेली थी। के खिलाफ बल्लेबाजी में परेशानी हो रही थी पर बाद में उनके लिए बल्लेबाजी आसान हो गयी। उन्होंने कहा कि मैं स्पिनरों के खिलाफ बड़ा शॉट लगाने की कोशिश कर रहा था पर गेंद ठीक से बल्ले पर नहीं आ रही थी। मयंक मार्कंडे के खिलाफ मुझे मुझे आऊट करने की कोशिश करेंगे और मैं उनके खिलाफ घरेलू क्रिकेट में खेल चुका हूं, इसलिए मैंने खतरा उठाया। मुझे टीम में मौका देने के लिए प्रबंधन को धन्यवाद। इस मैच में सनराइजर्स हैदराबाद ने पहले खेलते हुए 20 ओवरों में छह विकेट पर 182 रन बनाए थे। उसकी ओरसे अनमोलप्रीत सिंह ने 36, त्रिपाठी ने 20, कप्तान एडेन मार्कराम ने 28, हेनरिक क्लासेन ने 47 तो अब्दुल समद ने 37 रन बनाये। वहीं दूसरी ओर लखनऊ की ओर से प्रेरक मांकड़ ने 64 जबकि मार्कोस स्टेनोइनिस ने 40 रन और पूरन ने 44 रन बनाये।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हर रिश्ता बड़ी ही ईमानदारी से निभाया भगवान श्रीकृष्ण ने

भगवान श्रीकृष्ण ने हर रिश्ता बड़ी ही ईमानदारी से निभाया और हर रिश्तों को उन्होंने महत्व दिया। आओ जानते हैं कि इस संबंध में कुछ खास जानकारी।

मित्रता का रिश्ता

भगवान श्रीकृष्ण के हजारों सखा या कहें कि मित्र थे। श्रीकृष्ण के सखा सुदामा, श्रीदामा, मधुमंगल, सुबाहु, सुबल, भद्र, सुभद्र, मणिभद्र, भोज, तोककृष्ण, वरूथप, मधुकंड, विशाल, रसाल, मकरन्द, सदानन्द, चन्द्रहास, बकुल, शारद, बुद्धिप्रकाश, अर्जुन आदि थे। श्रीकृष्ण की सखियां भी हजारों थीं। राधा, ललिता आदि सहित कृष्ण की 8 सखियां थीं।

ब्रह्मवैवर्त पुराण के अनुसार सखियों के नाम इस तरह हैं- चन्द्रावली, श्यामा, शैव्या, पद्मा, राधा, ललिता, विशाखा तथा भद्रा। कुछ जगह ये नाम इस प्रकार हैं- चित्रा, सुदेवी, ललिता, विशाखा, चम्पकलता, तुंगविद्या, इन्दुलेखा, रंगदेवी और सुदेवी। कुछ जगह पर ललिता, विशाखा, चम्पकलता, चित्रादेवी, तुंगविद्या, इन्दुलेखा, रंगदेवी और कृत्रिमा (मनेली)। इनमें से

गईं सभी महिलाएं कृष्ण की सखियां थीं। द्रौपदी भी श्रीकृष्ण की सखी थीं। श्रीकृष्ण ने सभी के साथ अंत तक मित्रता का संबंध निभाया।

प्रेमी कृष्ण

कृष्ण को चाहने वाली अनेक गोपियां और प्रेमिकाएं थीं। कृष्ण-भक्त कवियों ने अपने काव्य में गोपी-कृष्ण की रासलीला को प्रमुख स्थान दिया है। पुराणों में गोपी-कृष्ण के प्रेम संबंधों को आध्यात्मिक और अति श्रृंगारिक रूप दिया गया है। महाभारत में यह आध्यात्मिक रूप नहीं मिलता, लेकिन पुराणों में मिलता है। उनकी प्रेमिका राधा, रुक्मिणी और ललिता की ज्यादा चर्चा होती है।

पति कृष्ण

भगवान श्रीकृष्ण की 8 पत्नियां थीं- रुक्मिणी, जाम्बवंती, सत्यभामा, मित्रवंदा, सत्या, लक्ष्मणा, भद्रा और कालिंदी। इनसे श्रीकृष्ण को लगभग 80 पुत्र हुए थे।

भाई कृष्ण

कृष्ण की 3 बहनें थीं- एकानंगा (यह यशोदा की पुत्री थीं), सुभद्रा और द्रौपदी (मानस भगिनी)। कृष्ण के भाइयों में नेमिनाथ, बलराम और गद थे।

श्रीकृष्ण के माता पिता

श्रीकृष्ण के माता पिता वसुदेव और देवकी थे, परंतु उनके पालक माता पिता नंदबाबा और माता यशोदा थीं। श्रीकृष्ण ने इन्हीं के साथ अपनी सभी सौतेली माता रोहिणी आदि सभी के सात बराबरी का रिश्ता रखा।

अन्य रिश्तों में श्रीकृष्ण

श्रीकृष्ण ने अपनी बुवाओं से भी खूब रिश्ता निभाया था। कुंती और सुतासुभा से भी रिश्ता निभाया। कुंती को वचन दिया था कि मैं तुम्हारे पुत्रों की रक्षा करूंगा और सुतासुभा को वचन दिया था कि मैं तुम्हारे पुत्र शिशुपाल के 100 अपराध क्षमा करूंगा। इसी प्रकार सुभद्रा का विवाह कृष्ण ने अपनी बुआ

पुत्र साम्ब का विवाह दुर्योधन की पुत्री लक्ष्मणा से किया था। श्रीकृष्ण के रिश्तों की बात करें तो वे बहुत ही उलझे हुए थे। श्रीकृष्ण ने अपने भांजे अभिमन्यु को शिक्षा दी थी और उन्होंने ही उसके पुत्र की गर्भ में रक्षा की थी।

शत्रुता का रिश्ता

इसी तरह श्रीकृष्ण ने अपनी शत्रुता का रिश्ता भी अच्छे से निभाया था। उन्होंने कंस, जरासंध, शिशुपाल, भौमासुर, कालय यवन, पौंड्रक आदि सभी शत्रुओं को सुधरने के भरपूर मौका दिया और अंत में उनका वध कर दिया।

रक्षक कृष्ण

भगवान श्रीकृष्ण ने किशोरावस्था में ही चाणूर और मुष्टिक जैसे खतरनाक मल्लों का वध किया था, साथ ही उन्होंने इंद्र के प्रकोप के चलते जब वृंदावन आदि ब्रज क्षेत्र में जलप्रलय हो चली थी, तब गोवर्धन पर्वत अपनी अंगुली पर उठाकर सभी ग्रामवासियों की रक्षा की थी।

शिष्य कृष्ण

भगवान श्रीकृष्ण के गुरु सांदीपनी थे। उनका आश्रम अवंतिका (उज्जैन) में था। कहते हैं कि उन्होंने जैन धर्म में 22वें तीर्थंकर नेमीनाथजी से भी ज्ञान ग्रहण किया था। श्रीकृष्ण गुरु दीक्षा में सांदीपनी के मृत पुत्र को यमराज से मुक्ति कराकर ले आए थे।

चंद्र की उत्पत्ति कैसे हुई? क्या कहते हैं पुराण? चंद्रमा की जन्म कथा

सुंदर सलोने चंद्रमा को देवताओं के समान ही पूजनीय माना गया है। चंद्रमा के जन्म की कहानी पुराणों में अलग-अलग मिलती है। ज्योतिष और वेदों में चंद्र को मन का कारक कहा गया है। वैदिक साहित्य में सोम का स्थान भी प्रमुख देवताओं में मिलता है। अग्नि, इंद्र, सूर्य आदि देवों के समान ही सोम की स्तुति के मंत्रों की भी रचना ऋषियों द्वारा की गई है।

पुराणों के अनुसार चंद्र की उत्पत्ति

मत्स्य एवं अग्नि पुराण के अनुसार जब ब्रह्मा जी ने सृष्टि रचने का विचार किया तो सबसे पहले अपने मानसिक संकल्प से मानस पुत्रों की रचना की। उनमें से एक मानस पुत्र ऋषि अत्रि का विवाह ऋषि कर्दम की कन्या अनुसुइया से हुआ जिससे दुर्वासा, दत्तात्रेय व सोम तीन पुत्र हुए। सोम चंद्र का ही एक नाम है। पद्म पुराण में चंद्र के जन्म का अन्य वृतांत दिया गया है। ब्रह्मा ने अपने मानस पुत्र अत्रि को सृष्टि का विस्तार करने की आज्ञा दी। महर्षि अत्रि ने अनुत्तर नाम का तप आरंभ किया। तप काल में एक दिन महर्षि के नेत्रों से जल की कुछ बूंदें टपक पड़ी जो बहुत प्रकाशमय थीं। दिशाओं ने स्त्री रूप में आकर पुत्र प्राप्ति की कामना से उन बूंदों को ग्रहण कर लिया जो उनके उदर में गर्भ रूप में स्थित हो गया। परंतु उस प्रकाशमान गर्भ को दिशाएं धारण न रख सकीं और त्याग दिया।

उस त्यागे हुए गर्भ को ब्रह्मा ने पुरुष रूप दिया जो चंद्रमा के नाम से प्रख्यात हुए। देवताओं, ऋषियों व गंधर्वों आदि ने उनकी स्तुति की। उनके ही तेज से पृथ्वी पर दिव्य औषधियां उत्पन्न हुई। ब्रह्मा जी ने चंद्र को नक्षत्र, वनस्पतियों, ब्राह्मण व तप का स्वामी नियुक्त किया।

स्कंद पुराण के अनुसार जब देवों तथा दैत्यों ने क्षीर सागर का मंथन किया था तो उस में से चौदह रत्न निकले थे। चंद्रमा उन्हीं चौदह रत्नों में से एक है जिसे लोक कल्याण हेतु, उसी मंथन से प्राप्त कालकूट विष को पी जाने वाले भगवान शंकर ने अपने मस्तक पर धारण कर लिया। पर ग्रह के रूप में चंद्र की उपस्थिति मंथन से पूर्व भी सिद्ध होती है। स्कंद पुराण के ही माहेश्वर खंड में गर्गाचार्य ने समुद्र मंथन का मुहूर्त निकालते हुए देवों को कहा कि इस समय सभी ग्रह अनुकूल हैं। चंद्रमा से गुरु का शुभ योग है। तुम्हारे कार्य की सिद्धि के लिए चंद्र बल उत्तम है। यह गोमंत मुहूर्त तुम्हें विजय देने वाला है। अतः यह संभव है कि चंद्रमा के विभिन्न अंशों का जन्म विभिन्न कालों में हुआ हो। चंद्र का विवाह दक्ष प्रजापति की नक्षत्र रूपी 27 कन्याओं से हुआ जिनसे अनेक प्रतिभाशाली पुत्र हुए। इन्हीं 27 नक्षत्रों के भोग से एक चंद्र मास पूर्ण होता है।

इस मंदिर में मूर्तियों से निकलती हैं आवाजें

पत्थर की होती है, लेकिन जिस भी देवी या देवता की यह मूर्ति बनाई गई है उन देवी या देवताओं के अस्तित्व और उनकी शक्ति को नहीं नकारा जा सकता। आए दिन देवी या देवता अपने होने का अहसास कराते रहते हैं। इसी अहसास को चमत्कार कहा जाता है। ऐसा ही एक चमत्कार बिहार के बक्सर में स्थित देवी के एक मंदिर में देखने को मिला। यहां आकर आपको दुर्गा शक्ति के होने पर यकीन हो जाएगा क्योंकि यहां की मूर्तियां आपसे बात करती है। जब वैज्ञानिकों ने इसकी खोज की तो उन्होंने भी इस बात से इनकार नहीं किया। यह मंदिर 400 वर्ष पुराना है। प्रसिद्ध तांत्रिक भवानी मिश्र ने करीब 400 वर्ष पहले इस मंदिर की स्थापना की थी। तब से आज तक इस मंदिर में उन्हीं के परिवार के सदस्य पुजारी बनते रहे हैं। तंत्र साधना से ही यहां माता की प्राण प्रतिष्ठा की गई है। दरअसल, तंत्र साधना के लिए प्रसिद्ध बिहार के इस इकलौते राज राजेश्वरी त्रिपुर सुंदरी मंदिर में यहां पर किसी के नहीं होने पर आवाजें सुनाई देती हैं। इस मंदिर में दस महाविद्याओं काली, त्रिपुर भैरवी, धुमावती, तारा, छिन्न मस्ता, षोडसी, मातंगड़ी, कमला, उग्र तारा, भुवनेश्वरी की मूर्तियां स्थापित हैं। इसके अलावा यहां

काल भैरव व मातंगी भैरव की प्रतिमा स्थापित की गई है। यहां साधना करने वाले हर साधकों की हर तरह की मनोकामना पूर्ण होती है। देर रात तक साधक इस मंदिर में साधना में लीन रहते हैं। मंदिर में प्रधान देवी राज राजेश्वरी त्रिपुर सुंदरी है। तांत्रिकों की आस्था इस मंदिर के प्रति अटूट

तरह की आवाजें सुनाई देती हैं। राज राजेश्वरी त्रिपुर सुंदरी मंदिर की सबसे अनोखी मान्यता यह है कि निस्तब्ध निशा में यहां स्थापित मूर्तियों से बोलने की आवाजें आती हैं। मध्य-रात्रि में जब लोग यहां से गुजरते हैं तो उन्हें आवाजें सुनाई पड़ती हैं। वैज्ञानिकों की मानें, तो यह कोई वहम नहीं है। इस

पर शब्द भ्रमण करते रहते हैं। वैज्ञानिकों ने यह भी मान लिया है कि हां पर कुछ न कुछ अजीब घटित होता है, जिससे कि यहां पर आवाज आती है। मानो या न मानो यह एक चमत्कार ही है कि यहां अजीब तरह के आवाजें आती है जो कि किसी मानव की आवाजों की तरह की है। माना जाता है कि संपूर्ण अखंड भारत में जहां भी माता के शक्तिपीठ हैं वे सभी जागृत और सिद्ध शक्तिपीठ हैं।

क्या गाय, कुत्ते और पक्षियों को पानी पिलाने से खुल जाते हैं किस्मत के दरवाजे

हिन्दू धर्म में कुछ पशु और पक्षियों को बहुत ही शुभ माना जाता है। मान्यता के अनुसार इन्हें अन्न और जल देने से जीवन में सकारात्मक बदलाव आते हैं। प्रत्येक हिन्दू घर में जब भोजन बनता है तो पहली रोटी गाय के लिए और अंतिम रोटी कुत्ते के लिए होती है। भोजन करने के पूर्व अग्नि को उसका कुछ भाग अर्पित किया जाता है जिसे अग्निहोत्र कर्म कहते हैं। प्रत्येक हिन्दू को भोजन करते वक्त थाली में से 3 ग्रास (कोल) निकालकर अलग रखना होता है। यह तीन कोल ब्रह्मा, विष्णु और महेश के लिए या मन कथन के अनुसार गाय, कौए और कुत्ते के लिए भी रखा जा सकता है।

गाय - गाय को पत्ते पर भोजन परोसकर जल देने से भाग्य जागृत होता है। गाय में सकारात्मक ऊर्जा का भंडार होता है, जो भाग्य को जागृत करने की क्षमता रखती है। गाय को अन्न और जल देने से सभी तरह के संकट दूर होकर घर में सुख, शांति और समृद्धि के द्वारा खुल जाते हैं। प्रतिदिन गाय को रोटी खिलाने गुरु और शुक्र बलवान होता और धन-समृद्धि बढ़ती है।

कुत्ता - कुत्त को पत्ते पर भोजन परोसकर जल पिलाने से भैरव महाराज प्रसन्न होते हैं और हर तरह के आकस्मिक संकटों से वे भक्त की रक्षा करते हैं। कुत्ता आपकी राहु, केतु के बुरे प्रभाव और यमदूत, भूत प्रेत आदि से रक्षा करता है। कुत्ते को प्रतिदिन भोजन देने से जहां दुश्मनों का भय मिट जाता है वहीं व्यक्ति निडर हो जाता है। ज्योतिषी के अनुसार केतु का प्रतीक है कुत्ता। कुत्ता पालने या कुत्ते की सेवा करने से केतु का अशुभ प्रभाव समाप्त हो जाता है। पितृ पक्ष में कुत्तों को मीठी रोटी खिलानी चाहिए।

कौवा- कौए के लिए छत या भूमि पर भोजन परोसकर सकोरे में उसके लिए जल रखा जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार कौआ को यमदूत, पितर और देवपुत्र भी माना गया है। कौए को भविष्य में घटने वाली घटनाओं का पहले से ही आभास हो जाता है। कहते हैं कि यदि कौआ आपका भोजन ग्रहण कर ले तो समझो आपके पितर आपसे प्रसन्न और तृप्त हैं और यदि नहीं करें तो समझो कि आपके पितर आपसे नाराज और अतृप्त हैं।

चींटी - चींटियों के लिए पत्ते पर भोजन परोसा जाता। उनके बिल हों, वहां चूरा कर भोजन डाला जाता है। इससे सभी तरह के संकट मिट जाते हैं और घर परिवार में सुख एवं समृद्धि आती है।

देवता - देवबलि अर्थात पत्ते पर देवी देवतों और पितरों को भोजन परोसा जाता है। बाद में इसे उठाकर घर से बाहर उचित स्थान रख दिया जाता है।

पक्षी - पक्षियों को जल अर्पित करने से पुण्य की प्राप्ति होती है और साथ ही हमारे जीवन के संकट मिट जाते हैं। नियमित जल पिलाने से भाग्य जागृत हो जाते हैं और किसी कार्य में आ रही रुकावट दूर होती है। हर कार्य आसानी से होने लगते हैं।

कुंडली की जांचे पन्ना पहनने के नुकसान भी है

पन्ना बुध ग्रह का रत्न है। बुध ग्रह वाणी, व्यापार, बहन, बुआ, मौसी आदि का कारक है। यह रत्न गहरे से हल्के हरे रंग का होता है। पन्ना मुख्यतः 5 रंगों में पाया जाता है। तोते के पंख के समान रंग वाला, पानी के रंग जैसा, सरेस के पुष्प के रंगों वाला, मयूरपंख जैसा और हलके संदुल पुष्प के समान होता है। पन्ना रत्न किसे पहनना चाहिए और किसे नहीं यह जानना भी जरूरी है, क्योंकि कुंडली की जांच किए बगैर इसे पहनने के नुकसान भी है।

किसे पन्ना धारण करना चाहिए

- लग्न कन्या या मिथुन है तो पन्ना रत्न धारण किया जा सकता है, लेकिन यह भी देखना जरूरी है कि लग्न में कौनसा ग्रह है या लग्न के सामने सप्तम भाव में कौनसा ग्रह है।
- कुंडली को देखकर यदि किसी रोगी को पन्ना पहनाया जाता है तो उसके बल में वृद्धि होती है आरोग्य का सुख मिलता है।
- मिथुन लग्न वाले यदि पन्ना धारण करे तो पारिवारिक परेशानी कम होती है।
- कन्या लग्न यदि पन्ना धारण करे तो राज्य, व्यापार, पिता, नौकरी, शासकीय कार्यों में लाभ पा सकते हैं।
- यदि बुध की महादशा या अंतरदशा चल रही हो और बुध 8वें या 12वें भाव में नहीं हो तो पन्ना पहनने से लाभ मिलेगा।
- यदि बुध, मंगल, शनि, राहु या केतु के साथ स्थित हो या उस पर शत्रु ग्रहों की दृष्टि हो तो पन्ना पहना जा सकता है। इससे नौकरी व्यवसाय में रुकावट दूर होगी।
- लाल किताब अनुसार यदि किसी घर में कोई ग्रह सोया हुआ हो तो उस घर को और उस ग्रह के प्रभाव को जाग्रत करने के लिए उस घर का रत्न धारण करें। जैसे यदि तीसरे में बुध नहीं है तो तीसरे के लिए बुध का रत्न धारण करें। इससे बुध के अच्छे प्रभाव मिलना प्रारंभ होंगे।
- यदि आपकी कुंडली में बुध मीन राशि का होकर बुरा प्रभाव दे रहा है तो पन्ना पहन सकते हैं।

पन्ना किसे धारण नहीं करना चाहिए

- लाल किताब के अनुसार बुध तीसरे या 12वें हो तो पन्ना नहीं पहनना चाहिए इससे नुकसान होगा।
- ज्योतिष के अनुसार 6, 8, 12 का बुध स्वामी हो तो पन्ना पहनने से अचानक नुकसान हो सकता है। इसलिए पहले किसी ज्योतिष को कुंडली दिखाएं फिर ही पहनें।
- यदि बुध की महादशा चल रही है और बुध 8वें या 12वें भाव में बैठा है तो भी पन्ना धारण करने से समस्या उत्पन्न हो सकती है।
- नकली, अशुद्ध, टूटा-फूटा, धब्बेदार, चमकदार, स्वर्ण रंग का या अन्य रंग का पन्ना धारण करने से धन, समृद्धि और संतान पक्ष का नाश हो जाता है।
- उचित धातु, नक्षत्र, दिन और ग्रहों की स्थिति देखे बगैर पन्ना धारण किया है तो वह भी नुकसानदायक सिद्ध हो सकता है।

पन्ना पहनने के फायदे

- पन्ना धारण करने से स्मरण शक्ति बढ़ती है। इससे बुद्धि तेज होने लगती है।
- हाजमा अच्छा करने के लिए भी इसे धारण करते हैं।
- नौकरी और व्यापार में उन्नति के लिए भी इसे धारण करने की सलाह दी जाती है।
- पन्ना धारण करने से वाणी प्रभावशाली हो जाती है।
- पन्ना धारण करने से अधूरी तमन्नाएं पूरी होने लगती हैं।
- घर में पन्ना रत्न उचित स्थान पर रखने से अन्न-धन्न आदि में वृद्धि होती है, सुयोग्य संतान का सुख मिलता है।
- पन्ना पहनने से यदि बुद्ध उत्तम प्रभाव देने लगता है तो जातक की बहन की जिंदगी में भी परेशानियां कम हो जाती है।

रवांडा में बाढ़ और भूस्खलन में 135 लोगों की गई जान

किगाली । रवांडा में हाल में आई बाढ़ और भूस्खलन में कम से कम 135 लोगों की मौत हो गई और एक अन्य अब भी लापता है। रवांडा सरकार ने यह जानकारी दी। आपातकालीन प्रबंधन के प्रभारी मंत्रालय ने अपने ताजा अपडेट में कहा ?कि आपदा में करीब 110 लोग घायल हुए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मंत्रालय ने कहा कि 20 राष्ट्रीय सड़कें, 12 बिजली स्टेशन और आठ जल उपचार संयंत्र भी नष्ट हो गए। सरकार ने पहले कहा था कि 2 और 3 मई को रवांडा के पश्चिमी, उत्तरी और दक्षिणी प्रांतों में भारी बारिश से 131 लोग मारे गए, 94 अन्य घायल हो गए और लगभग 9 हजार विस्थापित हो गए। रवांडा के राष्ट्रपति पॉल कागमे ने रूबावु जिले में आपदा से प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करते हुए प्रभावित लोगों को मदद पहुंचाने की प्रतिबद्धता जताई।

पाक के बलूचिस्तान में 6 सैनिकों की मौत, 6 आतंकवादी ढेर

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के दक्षिण-पश्चिमी बलूचिस्तान प्रांत में शनिवार को सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच हुई मुठभेड़ में कम से कम छह पाकिस्तानी सैनिकों की मौत हो गई, जबकि छह आतंकवादी भी मारे गए। पाकिस्तानी सेना ने एक बयान में यह जानकारी दी। सेना के बयान के मुताबिक विद्रोहियों ने प्रांत के मुस्लिम बाग इलाके में एक अर्धसैनिक अग्रिम कोर परिसर पर हमला किया, जिससे बंधक की स्थिति पैदा हो गई। सेना का अभियान शुक्रवार शाम को आतंकवादियों के शुरुआती हमले को नाकाम करने के बाद शुरू हुआ और शनिवार की सुबह पूरा हुआ। पाकिस्तानी सेना ने कहा कि भारी हथियारों से लैस परिसर में मौजूद सभी छह आतंकवादियों को मार गिराया गया है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने पाकिस्तानी सेना के छह सैनिकों और एक नागरिक की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया है।

ब्रिटेन से कोहिनूर हीरा वापस लेने की तैयारी में जुटी मोदी सरकार

लंदन। भारत औपनिवेशिक अतीत के हिसाब से ब्रिटेन से कोहिनूर हीरा और हजारों अन्य वस्तुओं को वापस लाने के लिए एक कूटनीतिक अभियान चलाएगा। इसकी जानकारी एक मीडिया रिपोर्ट में दी। इस संबंध में नई दिल्ली में अधिकारी तैयारी कर रहे हैं। भारत में शासन के दिनों में ब्रिटेन ले जाई गई संभावित हजारों कलाकृतियों की वापसी को सुरक्षित करने के लिए भारत के मंत्रिस्तरीय और राजनयिक कर्मचारियों को जुटाया जाएगा, जिसे एक स्रोत ने अतीत के साथ गणना के रूप में वर्णित किया है। यह समझा जाता है कि उनका लक्ष्य कोहिनूर हीरे की वापसी को सुरक्षित करना है। जो राजा के लिए ट्रस्ट में रखे गए क्राउन ज्वेल्स में से एक है। रिपोर्ट में बताया गया कि भारत से ली गई ऐतिहासिक कलाकृतियों को वापस लाना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्राथमिकताओं शामिल है। भारतीय संस्कृति मंत्रालय के सचिव गोविंद मोहन ने कहा कि पुरावशेषों की वापसी भारत की नीति-निर्माण का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होगी। उन्होंने कहा, यह सरकार के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, संस्कृति मंत्रालय की एक शाखा, स्वतंत्र होने के बाद से देश से तस्करी की गई वस्तुओं को पुन-प्राप्त करने के प्रयासों का नेतृत्व कर रही है। रिपोर्ट में कहा गया है कि दक्षिणी भारत के एक मंदिर से ली गई कांस्य मूर्ति के संबंध में ऑक्सफोर्ड के एशमोलियन संग्रहालय से पहले ही संपर्क किया जा चुका है।

कुत्ते के लिए मांगा आशीर्वाद तो महिला पर भड़के पोप, दी चेतावनी

रोम। ईसाइयों के सर्वोच्च धर्मगुरु पोप फ्रांसिस ने एक महिला को चेतावनी देते हुए कहा कि जहां बच्चों को पालना कठिन हो रहा है, ऐसे में लोग कुत्ते पाल कर बच्चों से उनका हक छीन रहे हैं। पोप ने उस किस्से के बारे में बताया है, जब वह आशीर्वाद मांगे जाने पर एक महिला पर भड़क गए। उन्होंने बताया कि वह उस वक्त अपना आपा खो चुके थे। ये मामला लोगों की पालतू जानवरों के प्रति बढ़ती ममता और दिलचस्पी से जुड़ा है। पोप ने कहा कि अब इटली में केवल अमीर लोग ही बच्चा पाल सकते हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि कुछ घरों में बच्चों की जगह पालतू जानवर ले रहे हैं। उन्होंने एक महिला से जुड़ा किस्सा भी बताया, जिसने पोप से कहा था, मेरे बच्चे को आशीर्वाद दीजिए, जो कि एक कुत्ता था। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी के साथ बैठे पोप ने कहा, एक स्थायी नौकरी ढूंढने में दिक्कत, अत्यधिक महंगे घर होना, आसमान छूता किराया और अपर्याप्त वेतन असल समस्याएं हैं। मुक्त बाजार जरूरी सुधारात्मक उपायों के बिना असभ्य हो जाता है और तेजी से गंभीर स्थितियों और असमानताओं को पैदा करता है। पोप ने कहा, मैंने अपना आपा खो दिया और उस महिला से कहा, ऐसे कई बच्चे हैं, जो भूखे हैं और तुम मेरे पास कुत्ते को लेकर आई हो? पोप ने लोगों को चेतावनी देते हुए कहा कि असभ्य मुक्त बजार युवाओं को बच्चे पैदा करने से रोक रहा है। इटली में जन्म दर पहली बार 2022 में 400,000 से नीचे गई है। लगातार 14वीं वार्षिक गिरावट दर्ज की गई है। कुल जनसंख्या 179,000 की गिरावट के बाद 5.88 करोड़ हो गई है। बढ़ते जनसांख्यिकीय संकट पर एक सम्मेलन में उन्होंने कहा कि घटती जन्म दर ने भविष्य में आशा की कमी का संकेत दिया है। इससे पता चलता है कि युवा पीढ़ी अनिश्चितता की भावना से दबी हुई है।

क्या एलियंस इंसानों के करीब आते जा रहे हैं? -मोबाइल टावर कैसे कर रहे उनकी मदद?

लंदन । वैज्ञानिकों ने अब ये पता लगाना शुरू किया है कि क्या एलियंस धीरे-धीरे इंसानों के करीब आते जा रहे हैं? वैज्ञानिकों ने एक अध्ययन रिपोर्ट में बताया है कि एलियंस इंसानों के बारे में पूरी जानकारी जुटा रहे हैं। इस काम में हमारे मोबाइल टावर्स एलियंस के लिए मददगार साबित हो रहे हैं। वैज्ञानिकों के मुताबिक, मोबाइल टावर से होने वाले लीकेज के जरिये एलियंस इंसानों के बारे में ज्यादा से ज्यादा सूचनाएं इकट्ठी कर सकते हैं। दरअसल, वैज्ञानिकों का मानना है कि अगर कोई हमसे भी ज्यादा विकसित होगा तो वो हमारी ही टेक्नोलॉजी के जरिये हमारी जानकारी हासिल कर सकता है। वैज्ञानिकों का कहना है कि इसका 5जी नेटवर्क से कोई लेनादेना नहीं है। उनके मुताबिक, हमारे किसी भी मोबाइल टावर का विकिरण हमें खोजने में एलियंस की मदद कर सकता है। वैज्ञानिकों के मुताबिक, इन टावरों से लीक होने वाला विकिरण कैंसर पैदा नहीं करता है। ये एक प्रकार की ऊर्जा है, जिसका इस्तेमाल रेडियो और टीवी प्रसारण में किया जाता है। मॉरीशस विश्वविद्यालय की डॉ नलिनी हीरालाल का कहना है कि स्पेस में उन्नत सभ्यताओं के होने की पूरी संभावना है। डॉ नलिनी हीरालाल कहती हैं कि जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कॉप और ज्यूपिटर आइसी मून्स एक्सप्लोरर जैसे अंतरिक्ष अभियानों के जरिये अंतरिक्ष में हमसे ज्यादा उन्नत सभ्यताएं होने के संकेत मिल रहे हैं। मैनचेस्टर विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के मुताबिक, एलियंस आकाशगंगा में उन्नत जीवन की खोज कर रहे हैं। जैसे-जैसे हमारे ब्रॉडबैंड सिस्टम ज्यादातर ताकतवर होंगे, वैसे-वैसे हमें पहचानने की एलियंस की क्षमता भी बढ़ती जाएगी। वैज्ञानिकों का कहना है कि मोबाइल टॉवरों के आधुनिक होने से एलियंस ज्यादा प्रभावशाली होते जाएंगे। बता दें कि भारत समेत दुनियाभर में मोबाइल संचार प्रणालियां धीरे-धीरे ज्यादा विकसित होती जा रही हैं। सरकारें और टेलिकॉम कंपनियां उपभोक्ताओं की संचार जरूरतों को ध्यान में रखते हुए मोबाइल संचार प्रणालियों को लगातार बेहतर करते जा रहे हैं। इस प्रक्रिया को रोका भी नहीं जा सकता है। वहीं, हम अंतरिक्ष में भी अपना दखल बढ़ाते जा रहे हैं। वैज्ञानिक के मुताबिक, धरती के रेडियो लीकेज सिग्नेचर में अब मजबूत मोबाइल रेडियो सिग्नल के साथ कई तरह सिग्नल शामिल हैं।

वेटिकन में पोप फ्रांसिंस से मिले यूक्रेनी राष्ट्रपति व्लादिमिर जेलिंस्की।

विनाशकारी युद्ध से तबाह ढांचों को फिर से बनाने पर बातचीत करने बर्लिन पहुंचे जेलेंस्की

बर्लिन। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की रविवार को बर्लिन पहुंचे, जहां वह जर्मनी के नेताओं से रूस के आक्रमण से अपने देश की रक्षा में मदद करने के वास्ते और हथियार भेजने तथा एक साल से अधिक वक्त से चल रहे विनाशकारी युद्ध से तबाह हुए ढांचों को फिर से बनाने पर बातचीत करेंगे। लुफ्तवाफे विमान रोम से जेलेंस्की को जर्मनी की राजधानी लेकर आया। रोम में जेलेंस्की ने पोप फ्रांसिस और इटली के प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी से मुलाकात की थी। जेलेंस्की के बर्लिन पहुंचने की पूर्व संध्या पर जर्मनी की सरकार ने यूक्रेन के लिए तीन अरब डॉलर से अधिक की सैन्य सहायता देने की घोषणा की, जिसमें टैंक, विमान रोधी प्रणालियां और गोला-बारूद शामिल हैं।

जेलेंस्की ने अपनी यात्रा की प्राथमिकताओं का जिक्र करते हुए रविवार को ट्वीट किया कि बर्लिन में हूं। हथियार। शक्तिशाली पैकेज। हवाई रक्षा। पुनर्निर्माण। यूरोपीय संघ। नाटो। सुरक्षा। जर्मनी ने शुरुआत में यूक्रेन को जानलेवा हथियार उपलब्ध कराने में आनाकानी की थी, लेकिन अब वह यूक्रेन को हथियारों की सबसे ज्यादा आपूर्ति करने वाले देशों में से एक है। चांसलर ओलाफ शोल्ज और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात के बाद जेलेंस्की के पश्चिमी शहर आचेन जाने की संभावना है, जहां उन्हें अंतरराष्ट्रीय शारलेमेन पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा।

बहुध्रुवीय विश्व बहुध्रुवीय एशिया के जरिये ही संभव है : जयशंकर

स्टॉकहोम/लंदन (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रविवार को कहा कि वैश्वीकरण मौजूदा दौर की वास्तविकता है और बहुध्रुवीयता का मूल्यांकन होना चाहिए, क्योंकि बहुध्रुवीय दुनिया बहुध्रुवीय एशिया के जरिये ही संभव है। वह स्टॉकहोम में यूरोपीय संघ (ईयू) हिंद-प्रशांत मंत्री-स्तरीय मंच (ईआईपीएमएफ) को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच संबंधों को मजबूत करने समेत कई द्विपक्षीय मुद्दों पर भी अपने यूरोपीय संघ के समकक्षों के साथ बातचीत की। जयशंकर ने भारत और यूरोपीय संघ के बीच ''नियमित, व्यापक और स्पष्ट संवाद'' का भी आह्वान किया, जो केवल आज के संकट तक ही सीमित न हो। उन्होंने कहा, ''वैश्वीकरण हमारे दौर की एक वास्तविकता है।

दूरदराज के क्षेत्र और देश दुनिया में कहीं भी होने वाली महत्वपूर्ण घटनाओं से अछूते नहीं रह सकते। न ही हम उन्हें अपनी सुविधा के अनुसार चुन सकते हैं।'' विदेश मंत्री ने कहा, ''हिंद-प्रशांत खुद ही वैश्विक राजनीतिक की दिशा में तेजी से अहम होता जा रहा है। यूरोपीय संघ तथा हिंद-प्रशांत एक-दूसरे के साथ जितनी भागीदारी करेंगे, उतना ही बहुध्रुवीयता मजबूत होगी और याद रखिए जिस बहुध्रुवीय दुनिया को यूरोपीय संघ पसंद करता है, वह बहुध्रुवीय एशिया के जरिये ही संभव है।'' जयशंकर ने कहा कि ऐतिहासिक और सांस्कृतिक

मतभेद हो सकते हैं, लेकिन अंततः भारत और यूरोपीय संघ राजनीतिक लोकतंत्रों, बाजार अर्थव्यवस्थाओं और बहुलवादी समाज से ही बने हैं। उन्होंने कहा कि भारत जितनी तेजी से अपनी वैश्विक मौजूदगी का विस्तार करेगा, उतना ही वह आने वाले वर्षों में यूरोपीय संघ के साथ जुड़ेगा।

जयशंकर ने भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के क्वाड समूह को वैश्विक वृद्धि का मंच भी बताया, जो हिंद-प्रशांत के किसी भी मूल्यांकन के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, ''भौगोलिक रूप से, हिंद-प्रशांत एक जटिल और भिन्न परिदृश्य है, जिसे अधिक गहन जुड़ाव के माध्यम से बेहतर रूप से समझा जा सकता है। भारत की बहुत कम सरकारों ने यूरोपीय संघ और उसके सदस्य देशों के साथ भागीदारी में इतनी ऊर्जा लगायी है तथा प्रयास किया है, जितना मौजूदा सरकार कर रही है।'' इस बैठक के इतर जयशंकर ने शनिवार को फ्रांस, ऑस्ट्रिया, बेल्जियम, बुल्गारिया, साइप्रस, लातविया, लिथुआनिया और रोमानिया के अपने समकक्षों के साथ बैठकें की थी। जयशंकर बांग्लादेश से स्वीडन पहुंचे हैं, जहां उन्होंने शुक्रवार को छठे हिंद महासागर सम्मेलन को संबोधित किया था।

पाकिस्तानी मौलाना ने कश्मीर के खिलाफ उगला जहर, वीडियो हुआ वायरल

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के एक मौलाना का वीडियो इन दिनों खूब देखा जा रहा है, जिसमें वह कश्मीर के खिलाफ लोगों को उकसा रहा है। इतना ही नहीं उसने हिंदुओं तथा सिखों के खिलाफ भी आपत्तिजनक बातें कही हैं। हालांकि कश्मीर भारत और पाकिस्तान के बीच एक ऐसा मुद्दा है जो सिर्फ राजनीतिक या भौगोलिक न होकर भावनात्मक भी है। भारत कश्मीर का विकास चाहता है और लगातार वह इसमें लगा है। भारत के नेता विदेशों में जाकर कश्मीर में निवेश करने को कहते हैं। लेकिन पाकिस्तानी नेता ऐसा कुछ नहीं करते, वह एक तरफ डिप्लोमैटिक तरीके से इस मुद्दे को हल करने की बात कहते हैं, वहीं दूसरी तरफ आतंक का सहारा लेते हैं। इससे हटकर इस वीडियो में एक मौलाना लोगों से कश्मीर के लिए लड़ाई लड़ने को कह रहा है। पाकिस्तानी सूफी संत सुलेमान मिस्बाही ने कहा कि हमारे लोग आपस में ही कुत्तों की तरह लड़ते रहते हैं। इनमें हिम्मत नहीं कि वह कश्मीर ले सकें। मिस्बाही ने कहा आज तक हमने जितना आपस में किया है, उतने में बनता है कि छत हम पर आकर गिर जाए।

गौरतलब है कि मौलाना सुलेमान मिस्बाही एक कार्यक्रम में थे, तभी वहां कुछ लोग आपस में लड़ने लगे। इस पर उन्होंने कहा कि कुछ लोग बेशर्मों की तरह मस्जिद में लड़ने लग जाते हैं। उन्हें जरा भी ख्याल नहीं रहता कि वह कहां खड़े हैं। उन्होंने कहा कि अभी इस तरह लड़ रहे हैं, जैसे आपस में कुत्ते लड़ते हैं। किसी को शर्म नहीं आई कि हम मस्जिद में हैं। एक थानेदार आ जाए तो कोई कुछ नहीं बोलेगा। इतने ही बहादुर हो तो चलो फिलीस्तीन और कश्मीर के लिए लड़ो। इतने गैरत वाले होते तो कश्मीर को आजाद नहीं करा लेते। इससे पहले सुलेमान मिस्बाही हिंदुओं और सिखों के खिलाफ भी जहर उगला था। नूपुर शर्मा मामले में उन्होंने पूरे हिंदुओं के खिलाफ आपत्तिजनक बयान दिया था। सुलेमान ने इससे पहले गुरुनानक देव जी के बारे में भी आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। इसके साथ ही उसने सिखों को गंदा और बदबूदार बताया था। इसके अलावा उसने कहा था कि वह एक दिन सभी सिखों को मुस्लिम बना कर रहेगा।

यूक्रेन में जंग ने अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की बुनियाद को हिला दिया: योशिमासा हयाशी

- रूस व चीन की बढ़ती नजदीकी से टेंशन में आया जापान

स्टाकहोम (एजेंसी)। रूस और यूक्रेन के युध्द ने दुनिया के देशों में तनाव पैदा कर दिया है। जापान के विदेश मंत्री योशिमासा हयाशी ने एशिया में रूसी और चीनी सेनाओं के बीच सहयोग पर शनिवार को चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि यूक्रेन में रूस के हमले के मद्देनजर यूरोप की सुरक्षा स्थिति को हिंद-प्रशांत क्षेत्र से अलग नहीं किया जा सकता। स्वीडन में यूरोपीय और हिंद प्रशांत देशों के विदेश मंत्रियों की एक बैठक में हयाशी ने कहा कि यूक्रेन में जंग ने अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की बुनियाद को हिला दिया है और अंतरराष्ट्रीय समुदाय को मिलकर इसका जवाब देना चाहिए। हयाशी ने कहा कि अन्य क्षेत्रों से भी इसी तरह की चुनौतियां उभरेंगी और इससे उस व्यवस्था की बुनियाद हिल सकती है, जिस पर हमारी शांति और समृद्धि टिकी है। जापान युद्ध में यूक्रेन का समर्थन करता है जबकि चीन ने कहा है कि वह तटस्थ रहेगा और उसने संघर्ष को भड़काने के लिए अमेरिका तथा उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) को जिम्मेदार ठहराया है। हयाशी ने बीजिंग पर पूर्वी और दक्षिण चीन सागरों में ताकत के दम पर यथास्थिति को बदलने के लिए लगातार कोशिश करने और ताइवान के आसपास अपनी सैन्य गतिविधियों को तेज करने का आरोप लगाया।

हयाशी ने यह भी चेताया कि उत्तर कोरिया, बैलेस्टिक मिसाइलों का परीक्षण कर क्षेत्र में तनाव भड़का रहा है। बैठक में यूरोपीय संघ और हिंद प्रशांत क्षेत्र के देशों के कई विदेश मंत्रियों ने शिरकत की। इसमें चीन को आमंत्रित नहीं किया गया था। भारत और पाकिस्तान जैसे हिंद प्रशांत के कुछ देशों ने यूक्रेन में युद्ध को खत्म करने का आह्वान किया है लेकिन उन्होंने इसके लिए रूस की निंदा नहीं की है।

पाकिस्तान की विदेश राज्य मंत्री हीना रब्बानी खार ने कहा कि हम सबने अपने अलग-अलग तरीकों से इसका समाधान करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि पाकिस्तान जैसे देश ने एक सबक सीखा है कि संघर्ष कभी समाधान नहीं हो सकता। हम शत्रुता का अंत चाहते हैं, संघर्ष का अंत चाहते हैं, ताकि लोग और लोगों की जिंदगी को नष्ट करने के बजाय जिंदगी बनाने का काम कर सकें।

सैन्य प्रतिष्ठान पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ को कुचलने पर आमादा: इमरान खान

-पाक आर्मी के खिलाफ इमरान खान ने खुलकर निकाली भड़ास

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान में तंगहाली के बीच राजनीतिक उथल-पुथल मची हुई है। सेना और पीटीआई आमने-सामने है, पीटीआई प्रमुख इमरान खान हैं। अब पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने अपनी रिहाई के बाद शनिवार को देश को संबोधित किया। उन्होंने आर्मी को राजनीति में आने के लिए अपनी खुद की राजनीतिक पार्टी बनाने की सलाह दी। इमरान ने कहा कि सैन्य प्रतिष्ठान उनकी पार्टी, पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) को कुचलने पर आमादा है। उन्होंने सैन्य नेतृत्व से पीटीआई-विरोधी नीति की समीक्षा करने का आग्रह करते हुए कहा कि सेना द्वारा उठाए गए कदमों की वजह से पहले ही देश आपदा के कगार पर आ गया है।

शुक्रवार को जमानत मिलने के बावजूद इमरान खान फिर से गिरफ्तारी के डर से बचने के लिए घंटों तक इस्लामाबाद उच्च न्यायालय (आईएचसी) में मौजूद रहे और रविवार तड़के अपने घर लाहौर पहुंचे। हाईकोर्ट द्वारा सभी मामलों में जमानत दिए के बाद उन्होंने कहा कि अपहरण के लिए आयातित सरकार उन पर हमला करना चाहती है। इमरान खान ने इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के महानिदेशक मेजर जनरल अहमद शरीफ चौधरी के उस बयान पर भी निशाना साधा, जिसमें उन्होंने खान को दोगला कहा था। पीटीआई प्रमुख ने कहा कि मेरी

बात सुनिए मिस्टर डीजी आईएसपीआर, आप पैदा भी नहीं हुए थे, जब मैं दुनिया में अपने देश का प्रतिनिधित्व कर रहा था और इसके लिए नाम कमा रहा था। इज्जत दिलाई अपने मुल्क को दुनिया में। मुझे पाखंडी और सेना विरोधी कहने के लिए आपको खुद पर शर्म आनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि सेना की मीडिया शाखा आईएसपीआर ने (राजनेता के बारे में) कभी ऐसी बातें कभी नहीं कही। उन्होंने कहा कि आप राजनीति में कूद गए हैं। आप अपनी खुद की पार्टी क्यों नहीं बनाते हैं। आपको इस तरह के ओछे आरोप लगाने का अधिकार किसने दिया है? इस तरह का बयान देने के लिए आपको शर्म आनी चाहिए। किसी और ने सेना को उस हद तक नुकसान नहीं पहुंचाया, जितना आपने पहुंचाया। सेना के लिए जितना काम मैंने किया वह किसी ने नहीं किया और वह आप हमें कुचल देंगे। जब मैं प्रधानमंत्री था, तब पाकिस्तानी सेना की छवि अच्छी थी या अभी?

इमरान ने कहा कि लोगों ने तब सेना को पसंद किया, जब एक सेना प्रमुख (पूर्व जनरल कमर जावेद बाजवा) ने मेरी पीठ में छुरा घोंपा और पाकिस्तान के सबसे कुख्यात और भ्रष्ट अपराधियों को सत्ता दी, तो जनता ने सेना की आलोचना करना शुरू कर दिया और यह मेरी वजह से नहीं, बल्कि सेना की वजह से हुआ। सेना प्रमुख की हरकतों से सेना को निशाना बनाया जा रहा है और उसकी आलोचना की जा रही है। खान ने आगे कहा कि वह दुनिया भर में सबसे ज्यादा दान पाने वाले राजनेता हैं, क्योंकि लोग उन पर भरोसा करते हैं।

इमरान खान ने आगे कहा कि आप कह रहे हैं कि इमरान खान झूठ बोल रहे हैं। मुझे सबसे ज्यादा दान दिया गया है, क्योंकि वे मुझ पर भरोसा करते हैं और मुझे एक ईमानदार व्यक्ति मानते हैं। पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने भी मुझे ईमानदार (सादिक और अमीन) घोषित किया है।

अविश्वास प्रस्ताव के जरिए पिछले साल अप्रैल में सत्ता से बेदखल किए गए खान ने आगे कहा कि सेना ने पीटीआई के पूरे नेतृत्व को जेलों में डाल दिया है और 3500 से अधिक कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर लिया गया है और अज्ञात व्यक्तियों द्वारा राज्य की इमारतों पर हमले के बाद मेरे खिलाफ और मामले दर्ज किए गए हैं। उन्होंने कहा कि सरकारी पार्टियां चुनाव नहीं चाहती हैं, क्योंकि वे जानते हैं कि उनका पूरी तरह से सफाया हो जाएगा। इसलिए उन्होंने साजिश रची (सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमला) और चुनाव से भाग गए।

गाजा में उग्रवादियों और इजराइल के बीच कई दिन से जारी हिंसा के बाद संघर्ष विराम लागू

गाजा सिटी (एजेंसी)। । इजराइल और फलस्तीनी चरमपंथियों के बीच पांच दिन तक हुई हिंसा के बाद गाजा पट्टी में दोनों पक्षों के बीच रविवार को संघर्ष विराम लागू होता प्रतीत हुआ। इस हिंसा में फलस्तीन के 33 और इजराइल के दो लोगों की मौत हुई है। गाजा पर ताजा हिंसा मंगलवार को शुरू हुई थी, जब इजराइली विमानों ने 'इस्लामिक जिहाद' के तीन शीर्ष कमांडर को मार गिराया था। यह हमला गाजा से दागे गए रॉकेट के जवाब में किया गया था। इसके बाद से दोनों पक्षों के बीच हिंसा जारी थी, लेकिन मिस्र की मदद से शनिवार देर रात संघर्ष विराम समझौता किया गया। इस संघर्ष विराम के कारण गाजा के उन 20 लाख लोगों और लाखों इजराइलियों को राहत मिली, जो हाल के दिनों में बमबारी की चपेट में आने से बचने के लिए बम-रोधी आश्रयों में रह रहे थे।

इजराइल के हमलों से गाजा के कई अपार्टमेंट में छेद हो गए हैं। इजराइल का कहना है कि इन अपार्टमेंट में 'इस्लामिक जिहाद' के छह प्रमुख सदस्य छुपे हुए थे, जो ताजा हमलों में मारे गए। इजराइल रॉकेट हमले को झेलने वाले दक्षिणी इजराइल के निवासियों पर लगे प्रतिबंधों को धीरे-धीरे हटा रहा है।। इजराइली अधिकारियों का कहना है कि उन्होंने इस्लामिक जिहाद के कई शीर्ष अधिकारियों को मार गिराया है। उन्होंने कहा कि इजराइल ने पुख्ता खुफिया जानकारी के आधार पर हमले किए थे। इन हमलों के दौरान गाजा में मारे गए लोगों में कम से कम 13 आम नागरिक थे। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि उग्रवादियों के ठिकानों को निशाना बनाकर किए गए हमलों की गूंज दुनियाभर में सुनाई देगी। उन्होंने अपनी कैबिनेट की एक बैठक में कहा, ''गाजा में और उससे परे भी इजराइल के शत्रु जानते हैं कि यदि वे छुपने की कोशिश करेंगे, तो भी हम किसी भी समय उन तक पहुंचने में सक्षम हैं और इसके लिए तैयार हैं।''

गाजा में बमबारी में आम लोगों के हताहत होने को लेकर इजराइल को मानवाधिकार समूहों की आलोचना का अक्सर शिकार होना पड़ता है, जबकि इजराइल का कहना है कि वह यह सुनिश्चित करने के लिए हर संभव कोशिश करता है कि इन हमलों के कारण आम नागरिकों को नुकसान न हो। इजराइली सेना ने बताया कि पिछले पांच दिन में उसने 1,400 से अधिक रॉकेट दागे। हमास के 2007 में गाजा पर कब्जा करने के बाद से इजराइल और फलस्तीन के बीच संघर्ष होता रहता है। इजराइल और हमास के बीच चार युद्ध हुए हैं और हिंसा की कई अन्य छोटी-मोटी घटनाएं हुई हैं। हमास ने ताजा हमलों के लिए 'इस्लामिक जिहाद' की प्रशंसा की है, लेकिन वह इस हिंसा में शामिल नहीं हुआ, जिससे संघर्ष का दायरा सिमटा रहा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

78 दिनों से फरार शाइस्ता माफिया घोषित

-बमबाज गुड्डू मुस्लिम भी एसटीएफ की पहुंच से दूर

प्रयागराज । उमेश पाल हत्याकांड को 2 महीने से अधिक समय बीत गया है, लेकिन अब तक पुलिस शाइस्ता परवीन और गुड्डू मुस्लिम को गिरफ्तार नहीं कर पाई है। शाइस्ता की अब तक कोई खोज-खबर नहीं मिली है। दूसरी तरफ गुड्डू इस तरह से भागता फिर रहा है, जैसे उसे पता है कि पुलिस और एसटीएफ उसके पीछे तभी आएगी, जब वह ठिकाना बदल देगा। उल्लेखनीय है कि अतीक अहमद की पत्नी शाइस्ता परवीन 24 फरवरी की शाम घटना के बाद एक दिन चकिया में ही रही। पुलिस ने उसके दो नाबालिग बेटों को उठा लिया था, लेकिन उसे नहीं पकड़ा था। फिर वह भी भागी तो अब मिल नहीं रही है। पुलिस और एसओजी के अलावा एसटीएफ ने चकिया और हटवा से लेकर कानपुर, लखनऊ, दिल्ली तक तमाम ठिकानों पर खोजबीन की, लेकिन अब तक नतीजा शून्य है। यही हाल बमबाज गुड्डू मुस्लिम और बाकी दो शूटरों अरमान बिहारी तथा साबिर के बारे में भी है। क्या शूटर अरमान बिहार में सरेंडर कर जेल में बंद है। इस पर भी पुलिस अधिकारी कुछ नहीं बता पा रहे हैं। बड़ी बात यह है कि शाइस्ता न ही अपने बेटे असद के जनाजे पर पहुंची और न ही अपने पति अतीक अहमद की अंतिम विदाई में शामिल हुई। माना यह भी जा रहा है कि वह अब अतीक का गैंग संभालने की फिराक में है। क्या वह अतीक के ही लोकल नेटवर्क का इस्तेमाल कर पुलिस से बच रही है। उत्तर प्रदेश की टास्क फोर्स उसे लेकर हर कोने में सर्च ऑपरेशन चला रही है। शाइस्ता को माफिया घोषित कर दिया गया है।

मदर्स डे पर गूगल ने तैयार किया खास डूडल, छिपा है मां-बच्चे का खूबसूरत रिश्ता

नई दिल्ली । मदर्स डे पर गूगल ने खास डिजाइन का डूडल पेश किया है। वैसे तो बिना शर्त प्यार देने वाली मां के लिए हर दिन स्पेशल बनाने की कोशिश करनी चाहिए लेकिन मदर्स डे और भी ज्यादा खास हो जाता है। दुनियाभर के कई देशों में मई के दूसरे रविवार को मदर्स डे सेलिब्रेट किया जाता है। हर मां और बच्चे के लिए यह दिन बहुत खास होता है। इस साल 14 मई को मदर्स डे मनाया जा रहा है। इस मौके पर गूगल ने भी खास डूडल तैयार किया है। गौरतलब है कि गूगल डूडल के जरिये हर स्पेशल डे को खास अंदाज से मनाया जाता है। मदर्स डे के मौके पर भी गूगल डूडल में मां और बच्चों के रिश्ते को एनिमल फैमिली के जरिये दिखाया है। इस बार के मदर्स्डे स्पेशल गूगल डूडल में डूडलर सेलीन यू ने मनमोहक जानवरों की 10 एनिमेटेड तस्वीरों का एक सेट तैयार किया है। डूडल की तस्वीरों में एनिमेडेटेड मुर्गी को उसके अंडों के साथ दिखाया गया है, फिर उसकी फैमिली। इसके बाद ऑक्टोपस और उसकी फैमिली को दिखाया गया है।

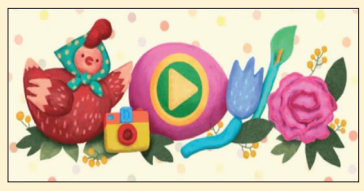

24 करोड़ रुपए मूल्य की 1.2 करोड़ विदेशी सिगरेट जब्त, आरोपी 5 तस्कर पकड़ाए

नई दिल्ली । राजस्व खुफिया निदेशालय की मुंबई शाखा ने रविवार को कहा कि उन्होंने पांच लोगों को गिरफ्तार कर 24 करोड़ रुपये मूल्य की 1.2 करोड़ विदेशी सिगरेट बरामद की है। डीआरआई ने कहा कि आरोपी कंटेनर के माध्यम से सिगरेट की तस्करी कर रहे थे। उन्होंने कहा कि न्हावा शेवा बंदरगाह पर प्रतिबंधित सामग्री ले जाने के संदेह में एक कंटेनर की पहचान की। डीआरआई ने कहा कि कंटेनर को आगे की निकासी के लिए अर्शिया मुक्त व्यापार वेयरहाउसिंग जोन में ट्रांसशिप किया जाना था। कंटेनर की आवाजाही पर विशेष निगरानी रखी गई थी। कंटेनर के बंदरगाह से चले जाने के बाद अपने गंतव्य तक पहुंचने के बजाय इसे एक निजी गोदाम में ले जाया गया, जबकि यह अर्शिया के रास्ते में था। संदेह होने पर कंटेनर की आवाजाही की निगरानी करने वाले अधिकारियों ने इसे गोदाम में रोक लिया। डीआरआई ने कहा कि 40 फीट के कंटेनर को विदेशी मूल की सिगरेट से भरा हुआ पाया गया, जो भारतीय मानकों का पालन नहीं करने के कारण भारत में आयात के लिए प्रतिबंधित हैं। सिंडिकेट ने सीमा शुल्क अधिकारियों को धोखा देने के लिए उन सिगरेटों को कंटेनर से बाहर निकालने और आयात दस्तावेजों में घोषित सामानों के साथ बदलने की योजना बनाई थी। अधिकारी ने कहा कि आयातित कंटेनर से एस्से, डनहिल, मॉन्ड और गुडांग गरम ब्रांड की विदेशी मूल की सिगरेट बरामद की गईं। बाद में एक अभियान में एस्से लाइट्स, मॉन्ड जैसे विभिन्न ब्रांडों के विदेशी मूल के 13 लाख सिगरेट का एक और भंडारण दूसरे गोदाम से जब्त किया गया।

आरा में मुखिया पति को दिनदहाड़े बाजार में दौड़ाकर मारी गोली

आरा । बिहार में भोजपुर जिले के कृष्णागढ़ थाना क्षेत्र के सरैया बाजार पर रविवार की सुबह हथियारबंद अपराधियों ने पश्चिमी गुंडी पंचायत के वर्तमान मुखिया पति सह प्रॉपर्टी डीलर महेंद्र यादव की गोली मारकर हत्या कर दी। दिनदहाड़े इस वारदात के बाद गांव और आसपास के इलाके में सनसनी फैल गई है। घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों का आक्रोश भड़क उठा, जिसके बाद आरा-सिन्हा मुख्य मार्ग पर सरैया बाजार को मृतक के परिजन एवं आक्रोशित ग्रामीणों ने शव को सड़क के बीचों-बीच रखकर सड़क जाम कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही मुफ्फसिल थानाध्यक्ष संजय कुमार सिंह, डीआईयू इंस्पेक्टर शंभू कुमार भगत, बड़हरा थाना इंचार्ज जयंत प्रकाश, कृष्णागढ़ थाना इंचार्ज विवेक कुमार सहित काफी पुलिस बल घटनास्थल पर पहुंचकर लोगों को समझाने-बुझाने में जुट गए। महेंद्र पेशे से व्यवसाई थे और सरैया बाजार में सरिया एवं गिट्टी का दुकान चलाते थे। मृतक के पुत्र अंकुश कुमार ने बताया कि गांव में ही केस हुआ था, जिसका पंचायत करने के लिए रविवार की सुबह आपने बुलेट से कृष्णागढ़ थाना गए थे। जब वह पंचायत कर वापस बुलेट से घर लौट रहे थे, उसी दौरान सरैया बाजार पर ही हथियारबंद अपराधियों द्वारा ताबड़तोड़ उन पर गोलियां बरसा दी गईं, जिससे उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों द्वारा अंकुश को सूचना मिली कि उसके पिता की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। सूचना पाकर वह घटनास्थल पर पहुंचा। वहीं मृतक के पुत्र अंकुश कुमार ने पश्चिमी गुंडी पंचायत के पूर्व मुखिया पति अंशु उपाध्याय, धनजी यादव, सभापति जादव सहित अन्य लोगों पर पूर्व में झूठा केस करने और पिछले साल होली में उसकी मां को गोली मारने एवं रविवार की सुबह अपने पिता की गोली मारकर हत्या करने का आरोप लगाया है।

एक टीसी ने हर दिन 122 लोगों को पकड़ा, वसूला 2.25 करोड़ का जुर्माना

-भारतीय रेलवे के टीसी की सूची में शीर्ष स्थान पर हैं सिमरनजीत सिंह वालिया

नई दिल्ली । रेलवे प्लेटफार्म पर टिकट चेक करने वाले टीटीई व टीसी हमेशा बिना टिकट यात्री व जरूरत से ज्यादा सामान लेकर यात्रा करने वाले लोगों से जुर्माना वसूलते हैं। उत्तर रेलवे के अंबाला मंडल के उप मुख्य टिकट निरीक्षक सिमरनजीत सिंह वालिया ने इस मामले में रिकॉर्ड कायम कर दिया है। इस टीसी ने पिछले वित्तीय वर्ष में भारतीय रेलवे के टिकट चेकर्स की सूची में शीर्ष स्थान हासिल किया है। उत्तर रेलवे के लिए यह एक ऐतिहासिक उपलब्धि है, क्योंकि यह पहली बार है कि जब किसी टीसी ने बिना टिकट यात्रियों से इतनी बड़ी राशि वसूल की है। वालिया ने 300 दिनों की अवधि में कुल 36 हजार 667 बिना टिकट यात्रियों की धरपकड़ की, यानी औसतन हर दिन 122 लोगों के खिलाफ जुर्माने की कार्रवाई की। मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार टीसी सिमरनजीत सिंह वालिया ने वर्ष 2022-2023 के दौरान 36 हजार 667 यात्रियों से जुर्माने के तौर पर 2.25 करोड़ रुपये की रकम जुटाई, जो बिना टिकट यात्रा कर रहे थे या बिना बुक किए सामान ले जा रहे थे। सिमरनजीत सिंह वालिया के बाद नंबर आता है मध्य रेलवे के टीटीई धर्मेंद्र कुमार का, जिन्होंने पिछले वित्तीय वर्ष में 22 हजार 996 बिना टिकट यात्रियों से 2.12 करोड़ रुपये का जुर्माना वसूले। रेलवे में औसतन एक टिकट चेकर 1 दिन में 8 टिकट रहित यात्रियों पर जुर्माना लगाता है और लगभग 2 हजार एकत्र करता है, जो सालाना 6.3 लाख बैठता है। उत्तर रेलवे के प्रिंसिपल चीफ कॉमर्शियल मैनेजर संजय कुमार जैन ने टीसी सिमरनजीत सिंह वालिया के इस प्रदर्शन की तारीफ की। उन्होंने बिना टिकट और अनियमित यात्रा पर अंकुश लगाने के लिए लगातार किए जा रहे प्रयासों के लिए पूरी वाणिज्यिक शाखा को बधाई दी। उन्होंने जोर देकर कहा कि टिकट जांच एक महत्वपूर्ण सिस्टम है। रेलवे ने सभी यात्रियों से अपील की कि वे वैध रेलवे टिकट और ट्रैवल अथॉरिटीज के साथ यात्रा करें।

भाजपा पर लगाया मायावती ने आरोप, निकाय चुनाव में हुआ सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग

नई दिल्ली (एजेंसी)। बसपा सुप्रीमो मायावती में यूपी में निकाय चुनावों में सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग करने का आरोप लगाया है। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश निकाय चुनाव में भाजपा ने जहां जबरदस्त जीत हासिल की है वहीं विपक्ष को करारी शिकस्त मिली है। मेयर चुनाव में तो विपक्ष का सूपड़ा साफ हो गया। इस जीत से जहां बीजेपी गदगद है, वहीं विपक्षी नेताओं ने राज्य सरकार पर धांधली के आरोप लगाए हैं। बसपा सुप्रीमो मायावती ने तो साफ कहा कि सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग कर यह चुनाव जीता गया है और उनकी पार्टी इस पर चुप नहीं बैठेगी। मायावती ने ट्वीट कर कहा, यूपी निकाय चुनाव में भाजपा के साम, दाम, दण्ड, भेद आदि अनेकों हथकण्डों के इस्तेमाल के साथ ही साथ इनके द्वारा सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग से बीएसपी चुप होकर बैठने वाली नहीं है, बल्कि वक्त आने पर इसका जवाब बीजेपी को ज़रूर मिलेगा। साथ ही, तमाम विपरीत हालात का सामना करते हुए बीएसपी पर भरोसा करके पार्टी उम्मीदवारों को वोट करने के लिए लोगों का तहेदिल से आभार व शुक्रिया। अगर यह चुनाव भी फ्री एण्ड फेयर होता तो नतीजों की तस्वीर कुछ और होती। बैलेट पेपर से चुनाव होने पर बीएसपी मेयर चुनाव भी ज़रूर जीतती।

मायावती ने आरोप लगाते हुए कहा कि वैसे चाहे भाजपा हो या सपा दोनों ही पार्टियां सत्ता का दुरुपयोग करके ऐसे चुनाव जीतने में एक-दूसरे से कम नहीं हैं, जिस कारण सत्ताधारी पार्टी ही धांधली से अधिकतर सीट जीत जाती है और इस बार भी इस चुनाव में ऐसा ही हुआ और यह अति-चिन्तनीय है। हम आपको बता दें ?कि यूपी नगर निगम में बीजेपी ने सभी 17 मेयर के पद अपने कब्जे में किए। वहीं नगर पालिका के 199 सीटों में से बीजेपी के खाते में 94 सीटें गई हैं जबकि सपा को 39, बसपा को 16, कांग्रेस 4 तथा अन्य के खाते में 46 सीटें गईं।

नगर पंचायत की 544 सीटों में बीजेपी के खाते में 196, सपा के खाते में 91, कांग्रेस के खाते में 14, बसपा के खाते में 38 तथा अन्य के खाते में 205 सीटें आईं। यूपी में 17 नगर निगम, 199 नगर पालिका और 544 नगर पंचायत की सीटें हैं। पहले फेज में 9 मंडलों के 37 जिलों में 10 नगर निगम, 820 पार्षद, 103 नगर पालिका परिषद अध्यक्ष, 2740 नगर पालिका परिषद सदस्य, 275 नगर पंचायत अध्यक्ष और 3745 नगर पंचायत सदस्यों के लिए चुनाव हुए थे। वहीं, दूसरे चरण में 9 मंडल के 38 जिलों की 7 नगर निगम, 95 नगर पालिका, 267 नगर पंचायत पद और पार्षद सीटों पर चुनाव हुए थे।

हिमाचल सरकार नशा मुक्ति, पुनर्वास नीति करेगी तैयार : मुख्यमंत्री सुक्खू

शिमला । हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा है कि सरकार नशे की चपेट में आए युवाओं को इस लत से मुक्त करने और उनके पुनर्वास के लिए एक नीति बनाएगी। सरकार की ओर से यहां जारी एक बयान के अनुसार इस नीति संबंधी एक मसौदे को लेकर हुई बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं का जीवन मोबाइल फोन तक सिमटकर रह गया है, जिसके कारण वे नशे की लत का शिकार हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार युवाओं को नशे के चंगुल में फंसने से बचाने के लिए कड़े कदम उठा रही है और इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य और स्नायु विज्ञान संस्थान के सहयोग से राज्य में एक अत्याधुनिक नशामुक्ति-सह-पुनर्वास केंद्र स्थापित किया जाएगा। बयान के अनुसार मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को इस केंद्र के लिए भूमि चिह्नित करने के निर्देश दिए और कहा कि यह केंद्र इसमें रह रहे युवाओं को पेशेवर प्रशिक्षण भी प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि यह उनके खोए हुए आत्मविश्वास को बढ़ाएगा और जीवन में आगे बढ़ने के लिए उनका मार्गदर्शन करेगा। उन्होंने कहा कि इन लोगों को सामान्य जीवन में लौटने में सक्षम बनाने के लिए उन्हें परिवार और समाज से जोड़ने पर भी जोर दिया जाएगा।

अरविंद केजरीवाल से आदित्य ठाकरे ने की मुलाकात, राजनीतिक घटनाक्रम पर हुई दोनों में बातचीत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में रविवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और शिवसेना (यूबीटी) के नेता आदित्य ठाकरे ने मुलाकात की है। इन दोनों नेताओं के बीच हुई इस मुलाकात के सियासी हलचल में तेजी आ गई है। आदित्य ठाकरे ने अरविंद केजरीवाल के घर जाकर मुलाकात की है जो एक घंटे तक जारी रही। कर्नाटक में हुए विधानसभा चुनावों के तत्काल बाद हुई दोनों नेताओं के बीच हुई ये मुलाकात काफी अहम मानी जा रही है।

दोनों नेताओं के बीच हुई मुलाकात की में मौजूदा राजनीतिक घटनाक्रमों पर चर्चा की गई है। इस मुलाकात के बाद खुद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आदित्य ठाकरे के साथ मुलाकात की अपनी तस्वीरें ट्विटर पर पोस्ट कीं। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक ने ट्वीट किया, ''आज अपने आवास पर श्री आदित्य ठाकरे जी के आतिथ्य का अवसर मिला। देश के वर्तमान राजनीतिक घटनाक्रम को लेकर उनसे विस्तार से बातचीत हुई।

दरअसल इस मुलाकात के कई मायने भी निकाले जा रहे है। आगामी लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर विपक्ष को एकजुट करने की कवायद भी तेजी से की जा रही है। कई बैठकों में इस संबंध में चर्चा हो चुकी है। बता दें कि इस बैठक में चर्चा की गई कि जिस तरह कर्नाटक चुनाव में बीजेपी को धक्का लगा है तो विपक्ष एकजुट होकर 2024 में नरेंद्र मोदी की सरकार को भी हिलाने में सफल हो सकता है।

विपक्ष की उम्मीद बढ़ी

कर्नाटक में जिस तरह से कांग्रेस पार्टी ने जीत हासिल की है उसके बाद से पूरा विपक्ष खेमा जोर शोर से एक जुट होने में जुटा हुआ है। माना जा रहा है कि अरविंद केजरीवाल और आदित्य ठाकरे की मुलाकात भी इसका हिस्सा हो सकती है। ये भी संभावना जताई जा रही है कि आने वाले दिनों में शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट आम आदमी पार्टी के साथ मिलकर महाराष्ट्र में कोई बड़ा ऐलान कर सकती है। हालांकि ये ऐलान क्या हो सकता है इस संबंध में कोई जानकारी साझा नहीं की गई है।

गौरतलब है कि ये पहला मौका नहीं है जब शिवसेना नेता और आम आदमी पार्टी के नेताओं के बीच मुलाकात हुई है। इससे पहले दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने फरवरी के महीने में उद्धव ठाकरे से भी मुलाकात की थी।

कर्नाटक तो झांकी है, अभी पूरा हिंदुस्तान बाकी है: संजय राउत

-भाजपा की हार से काफी गदगद हैं सांसद संजय राउत

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक में कांग्रेस की शानदार जीत और भारतीय जनता पार्टी की हार से शिवसेना के उद्धव गुट के सांसद संजय राउत काफी गदगद हैं। उन्होंने आज कहा कि कर्नाटक में तो बस झांकी है, अभी पूरा हिंदुस्तान बाकी है। शिवसेना सांसद दक्षिणी राज्य में हुए सत्ता परिवर्तन को 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव से जोड़कर देख रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा है कि एनसीपी प्रमुख शरद पवार के नेतृत्व में मुंबई में आज महाविकास अघाड़ी की एक बैठक बुलाई गई है, जिसमें आगे की रणनीति पर चर्चा होगी।

उद्धव ठाकरे गुट के नेता संजय राउत ने कहा कि कर्नाटक तो झांकी है अभी पूरा हिंदुस्तान बाकी है। कर्नाटक ने दिखाया है कि जनता तानाशाही को पराजित कर सकती है। कांग्रेस जीत गई, जिसका मतलब बजरंगबली कांग्रेस के साथ थे। हमारे गृह मंत्री (अमित शाह) बोल रहे थे कि भाजपा हार गई तो दंगे होंगे। कर्नाटक शांत है और खुश है। कहां हैं दंगे?

उन्होंने आगे कहा कि मोदी लहर खत्म हो चुकी है और अब हमारी लहर पूरे देश में आ रही है। 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए हमारी तैयारी शुरू हो चुकी है और आज शरद पवार की अध्यक्षता में एक बैठक बुलाई गई है। हम इस बैठक में 2024 के चुनाव के बारे में चर्चा करेंगे और इसकी तैयारी शुरू करेंगे।

चक्रवात मोचा का असर, 100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलीं हवाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। चक्रवात मोका आज (रविवार), 14 मई को बांग्लादेश-म्यांमार सीमा के पास क्योकप्यू के समुद्र तट से टकरा गया है। मौसम विभाग के मुताबिक, बेहद खतरनाक चक्रवाती तूफान मोका तेजी से उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ा और सुबह करीब 11.30 बजे इसका लैंडफॉल हुआ। जिसके कारण 100 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलीं। आईएमडी के मुताबिक, चक्रवात तूफान कॉक्स बाजार और म्यांमार में बंदरगाह के करीब क्योकप्यू के समुद्र तट से टकराया। इस दौरान करीब 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चली। प्रशासन की ओर से लोगों को समुद्र तट से दूर रखा गया। मछुआरों, जहाजों, नावों और ट्रॉलरों को मध्य और पूर्वोत्तर बंगाल की खाड़ी और उत्तरी अंडमान सागर में जाने पर पाबंदी है। बांग्लादेश और म्यांमार के तटीय इलाकों से हजारों लोगों को निकालकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया जा चुका है। बंगाल की खाड़ी से उठे शक्तिशाली चक्रवाती तूफान मोका के मद्देनजर तटीय इलाकों के लोगों को दूर रहने की चेतावनी दी है। भारत के मौसम विज्ञान विभाग ने बांग्लादेश के कॉक्स बाजार तथा म्यांमार में क्योकप्यू के बीच 210 किलोमीटर प्रति घंटे तक की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना व्यक्त की है। तूफान के असर से समुद्र में ऊंची लहरें भी देखी गईं।

मौसम विभाग कार्यालय ने मछुआरों, जहाजों, नावों और ट्रॉलरों को मध्य और पूर्वोत्तर बंगाल की खाड़ी तथा उत्तरी अंडमान सागर में नहीं जाने की सलाह दी है। चक्रवाती तूफान के कारण दक्षिण राज्यों के मौसम में बदलाव और बारिश की संभावना है। चक्रवात को देखते हुए पश्चिम बंगाल में एनडीआरएफ की आठ टीमों को तैनात किया गया है। मौसम विभाग ने 14 मई की दोपहर को चक्रवाती तूफान मोका बांग्लादेश में कॉक्स बाजार और म्यांमार में क्योकप्यू के बीच दक्षिण-पूर्व बांग्लादेश और उत्तरी म्यांमार के तटों को पार कर करने का अनुमान जताया था। मोका ने बांग्लादेश और म्यांमार के सीमावर्ती क्षेत्रों में लैंडफॉल किया।

केरल में पकड़ी पाकिस्तान से भेजी गई 12 हजार करोड़ की ड्रग्स

-आईएसआई की करतूत का हुआ भांडाफोड, ड्रग्स सरगना हाजी सलीम है मास्टरमाइंड

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल के समुद्री तट के निकट एक जहाज से 12,000 करोड़ रुपये का मादक पदार्थ जब्त किया गया। इसके साथ ही एक संदिग्ध पाकिस्तानी नागरिक को पकड़ा गया है। ऑपरेशन समुद्रगुप्त के तहत करीब 40 हजार करोड़ की ड्रग्स बरामद की गई। एनसीबी के डीडीजी ऑपरेशन संजय सिंह ने बड़ा खुलासा करते हुए बताया कि हाल ही में पहली बार मदरशिप से 12 हजार करोड़ की ड्रग्स पकड़ी गई। इस मामले में एक पाकिस्तानी नागरिक को भी गिरफ्तार किया गया है। जानकारी के मुताबिक ये इंडियन नेवी और एनसीबी समेत कई एजेंसियों का ज्वाइंट ऑपरेशन था। अब तक की कार्रवाई में इसके तार पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़े पाए गए। बताया जा रहा है कि कराची में बैठा पाकिस्तान का सबसे बड़ा ड्रग्स माफिया हाजी सलीम इस रैकेट का मास्टरमाइंड है। भारत में ड्रग्स की जितनी बड़ी खेप पकड़ी जा रही है उनके पीछे हाजी सलीम है। हाजी सलीम दाऊद इब्राहिम और पाकिस्तान आईएसआई के बीच की अहम कड़ी बताया जा रहा है। एनसीबी के डीडीजी ने बताया कि पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री ने भी ड्रग्स का ये मसला उठाया था।

दरअसल हाजी सलीम ईरान, अफ़ग़ानिस्तान और बलूचिस्तान (पाकिस्तान) से ड्रग्स सिंडिकेट को ऑपरेट करता है। कराची से ऑपरेशन देखता है, जो कि बहुत ही शातिर है। एजेंसी के अधिकारियों के मुताबिक हाजी सलीम के बॉडी गार्ड्स कराची में एके-47 और अन्य घातक हथियार से सलीम की सुरक्षा को देखते हैं। इंटरनेशनल सूत्रों के मुताबिक हाजी सलीम कई बार कराची में स्थित किल्फ्टन रोड़ दाउद के ठिकाने पर ड्रग्स कारोबार की मीटिंग करने आता जाता रहा है।

सूत्रों का कहना है कि सलीम अपने साथ कुछ सैटेलाइट फ़ोन भी रखता है, जिसके जरिए वो पाकिस्तान से लेकर मालदीव के समुद्री इलाकों तक अपना ऑपरेशन ऑपरेट करता है। सलीम बलोच हेरोइन में डील करता है और अपने सप्लायर्स से ड्रग्स के बदले आने वाला पैसा हवाला के ज़रिए लेता है। एजेंसी के मुताबिक़, सितंबर, 2022 में गुजरात के मुद्रा पोर्ट से जो बरामद करोड़ों की हेरोइन मामले में गिरफ़्तार कुछ लोगों ने सलीम को हवाला के जरिये पैसे भेजे थे। जानकरी मिली है कि सलीम बलोच ख़ास कस्मि के कोड वर्ड का इस्तेमाल करता है ताकि उसका नाम सीधे तौर पर किसी एजेसी के रडार पर न आए। जिसमे पाकिस्तान में पैक होने वाली हर ड्रग्स के पैकेट पर एक कोड लिखा होता है, जिससे उसके गिरोह को पता चल सके कि ये उसी का माल है। सलीम के ड्रग्स कोड वर्ड में 777, 999, 'उड़ते घोड़े का साइन तथा 21 राजाओं का सिंबल शामिल है।

दिल्ली-यूपी में दिखा गर्मी का रौद्र रुप, कई राज्यों में तूफान करेगा बारिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक ओर जहां दिल्ली, यूपी में गर्मी ने अपना रौद्र रुप दिखाना शुरु कर दिया है, वहीं अनेक राज्यों में चक्रवात मोका का असर बारिश के रुप में देखने को मिलेगा। मौसम विभाग ने चक्रवाती तूफान मोका को लेकर अलर्ट जारी किया है। विभाग के अनुसार, त्रिपुरा, मिजोरम, नगालैंड, मणिपुर और दक्षिण असम के कई स्थानों पर आज भारी बारिश होगी। विभाग के अनुसार, चक्रवात मोका अंडमान और निकोबार द्वीप समूह की राजधानी पोर्टब्लेयर के उत्तर-पश्चिम में बना हुआ है। इससे उत्तरी अंडमान सागर में 45-65 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल सकती है। वहीं, त्रिपुरा, मिजोरम और दक्षिण मणिपुर में 50 से 70 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है। देश की राजधानी दिल्ली के कुछ इलाकों में तापमान 43 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है, जिससे लू की स्थिति बनी हुई है। वहीं, पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से अगले हफ्ते कुछ इलाकों में बारिश होने की संभावना जताई गई है। आज दिन में 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल सकती है। अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है।

विभाग ने अगले चार दिनों के लिए मौसम का पूर्वानुमान जारी करते हुए कहा है कि आज से 16 मई के दौरान पूर्वोत्तर भारत में हल्की से मध्यम वर्षा हो सकती है। आज और कल अरुणाचल प्रदेश के छिटपुट स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है। आज से 17 मई के दौरान असम, मेघालय, नगालैंड, त्रिपुरा, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में भारी बारिश की होने की संभावना है। गौरतलब है कि शनिवार से उत्तर पश्चिम भारत में लू का प्रकोप शुरू हो गया है। गुजरात में अधिकतम तापमान सामान्य से 4-6 डिग्री सेल्सियम अधिक रहा। जबकि राजस्थान में पारा 45 डिग्री के पार पहुंच गया। उम्मीद जताई जा रही है कि लू की स्थिति अस्थायी रहेगी।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं

हमें लिखे या बताएँ

और समस्याएं का हल

संबंधित विभाग से मिलेगा

मोबाईल:-9879141480

या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार

में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार

संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-krantisamay@gmail.com

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार

भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों

और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों

की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-krantisamay@gmail.com